हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 138, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 18 नवम्बर, 2023 दिन शनिवार | गाजीपुर/वाराणसी

पश्चिम एशिया में हुई घटनाओं से उभर रहीं नई चुनौतियां, हमारा एकजुट रहना जरूरी : मोदी

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दूसरी वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। जी-20 की मेजबानी के बाद भारत की कूटनीति में ग्लोबल साउथ समिट काफी अहम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दूसरी वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने ग्लोबल साउथ के देशों के लिए एक ग्लोबल केंद्र का उद्घाटन किया, जिसका नाम दक्षिण रखा। पीएम ने बताया कि इस केंद्र का प्रस्ताव उन्होंने वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट के पहले चरण यानी जनवरी में रखा था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दूसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट के उद्घाटन सत्र में कहा, 'मैंने पहले सम्मेलन के दौरान ग्लोबल साउथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना का प्रस्ताव दिया था। मुझे खुशी है कि दक्षिण विकास और ज्ञान साझा करने की पहल ग्लोबल साउथ सेंटर फॉर एक्सीलेंस का आज उद्घाटन किया जा रहा है।'

दुनिया का सबसे अनूठा मंच- पीएम मोदी ने कहा कि वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ 21वीं सदी की बदलती हुई दुनिया का सबसे अनूठा मंच है। भौगोलिक रूप से ग्लोबल साउथ हमेशा से रहा है, लेकिन उसे इस प्रकार से आवाज पहली बार मिल रही है। ये हमारे साझा प्रयासों से हो पाया है। हम 100 से ज्यादा अलग-अलग देश हैं, लेकिन हमारे हित समान हैं, हमारी प्राथमिकताएं समान हैं।

जी-20 की अध्यक्षता संभाली- उन्होंने आगे कहा, 'पिछले साल दिसंबर में जब भारत ने जी-20 की अध्यक्षता संभाली तब हमने इसमें ग्लोबल साउथ के देशों की आवाज को आगे बढ़ाना अपनी प्राथमिकता मानीं। इसके साथ ही भारत मानता है कि नई टेक्नोलॉजी नॉर्थ और साउथ के बीच दूरियां बढ़ाने का नया स्त्रोत नहीं बनना चाहिए।'

बातचीत और कूटनीति पर जोर- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हम सभी देख रहे हैं कि पश्चिम एशिया क्षेत्र की घटनाओं से नई चुनौतियां उभर रही हैं। भारत ने सात अक्तूबर को इस्राइल में हुए आतंकी हमले की निंदा की है। हमने संयम भी बरता है। हमने बातचीत और कूटनीति पर जोर दिया है। हम इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष में नागरिकों की मौत की भी कड़ी निंदा करते हैं। फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से बात करने के बाद हमने फलस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता भी भेजी है। यह वह समय है जब ग्लोबल साउथ के देशों को व्यापक वैश्विक भलाई के लिए एकजुट होना चाहिए।'

वोट डालने के बाद सिंधिया ने पूर्ण बहुमत से भाजपा सरकार बनने का किया दावा

ग्वालियर। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर पहुंचकर मतदान किया। सिंधिया विशेष विमान से दिल्ली से ग्वालियर पहुंचे, एयरपोर्ट से वे सीधे जलविहार स्थित एएमआई शिशु मंदिर स्थित अपने मतदान केंद्र पहुंचे और वोट डालकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। वोट डालने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए सिंधिया ने कहा कि मतदान का प्रतिशत बढ़ना प्रजातंत्र के लिए एक अच्छा संकेत है। आज ऐतिहासिक मतदान होगा और भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण अशीर्वाद मिलेगा, ऐसा मुझे पूरा भरोसा है। उन्होंने दावा किया कि पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार स्थापित होगी। सिंधिया ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर के बेटे के वायरल वीडियो पर कहा कि ऐसे काम कांग्रेस करती है और यह बहुत ही अशोभनीय है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश में सीएम के चेहरे को लेकर उन्होंने कहा कि मीडिया को इतनी जल्दी क्यों है। यह पार्टी का नेतृत्व तय करता है और मैं सीएम की रेस में अभी नहीं हूं।

अहम मुद्दों को सुलझाने में ग्लोबल साउथ की बढ़ती भूमिका पर लगाया जा रहा अवरोध : एस. जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ग्लोबल साउथ के देशों से आर्थिक सांद्रता की तुलना में कमजोरियों को कम करने के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कोविड-19 के समय को याद किया। विदेश मंत्री ने कहा कि कोविड -19 का समय दूर-दराज के भौगोलिक क्षेत्रों पर बुनियादी आवश्यकताओं के लिए निर्भरता के खतरों की याद दिलाता है, इसलिए आत्मनिर्भरता की दिशा में काम करने की जरूरत है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने जी-20 की भारत की अध्यक्षता की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला और बताया कि कैसे इसने ग्लोबल साउथ या विकासशील देशों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए ईमानदारी से काम किया। जयशंकर ने कहा, 'नई दिल्ली के नेताओं के घोषणापत्र को ग्लोबल साउथ की वास्तविक और गंभीर चिंताओं पर जी-20 का ध्यान वापस लाने के लिए याद किया जाएगा।' उन्होंने कहा कि दस्तावेज मजबूत, सतत, संतुलित और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा संदेश है। विदेश मंत्री ने कोई विशेष संदर्भ दिए बिना कहा कि वर्तमान समय के प्रमुख मुद्दों को सुलझाने में ग्लोबल साउथ की बढ़ती भूमिका पर अवरोध लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'जब हम आगे देखते हैं, तो हर किसी के विश्वास के साथ, हर किसी के विकास का हमारा दृष्टिकोण पूरा होने में अभी बहुत समय है। हमें पता है कि बदलाव होना प्राकृतिक है, लेकिन ग्लोबल साउथ से जुड़े मुद्दों के समाधान करने में अभी भी अवरोध जारी है। हालांकि, हमें साथ मिलकर और बहुपक्षीय मंचों पर विचार-विमर्श करते समय सभी को साथ लेकर चलने की जरूरत पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है।' जयशंकर ने तर्क दिया कि वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट 'हमारी व्यक्तिगत आवाजों को बढ़ाकर और उभरती विश्व व्यवस्था के लिए हमारे साझा हितों को पेश करके' बहुत प्रभावशाली हो सकता है। उन्होंने कहा, 'हमें आर्थिक सांद्रता के साथ अपनी कमजोरियों को कम करने के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में भी काम करने की आवश्यकता है। कोविड काल दूर-दराज के भौगोलिक क्षेत्रों पर बुनियादी आवश्यकताओं के लिए निर्भरता के खतरों की याद दिलाता है।' वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ ने कहा, 'मैं नेपाल में आए विनाशकारी भूकंप से प्रभावित लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। भारत नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है और हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।' केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने दूसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट के पर्यावरण मंत्रियों के सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 'महामारी के कई संकटों, भू-राजनीतिक तनाव और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों ने विकासशील देशों को असमान रूप से प्रभावित किया है और यहां तक कि विकास के लाभ को भी उलट दिया है।

छठ पर्व को स्वच्छता व सुरक्षा का मानक बनाएं शहीद पथ को सीसीटीवी से कवर करें : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी छठ पर्व को 'स्वच्छता और सुरक्षा' के मानक पर्व के रूप में आयोजित करने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को एक

महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व पर पूजा और अनुष्ठान के दौरान पूरे प्रदेश में स्वच्छ्ता का माहौल हो, इसके लिए नगर विकास और पंचायती राज विभाग द्वारा विशेष प्रयास किये जायें। लोगों की आस्था का यथोचित सम्मान करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि नदियां व जलाशय दूषित न हों। लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक प्रयोग न करने के लिए जागरूक करें। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए रात्रि 1-2 बजे से ही श्रद्धालुओं व व्रतियों का आवागमन प्रारंभ हो जाता है, ऐसे में हर जगह समुचित प्रकाश व्यवस्था कराई जाए। नदी और जलाशय घाटों की साफ-सफाई करा लें और ट्रैफिक प्रबंधन भी किया जाए। नगर विकास मंत्री, महापौर लखनऊ, कृषि उत्पादन आयुक्त, एसडीजी कानून-व्यवस्था, प्रमुख सचिव नगर विकास, पुलिस कमिश्नर, जिलाधिकारी व नगर आयुक्त लखनऊ के साथ तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में छठ के बीच स्वच्छ्ता के दृष्टिगत 'स्वच्छ घाट' प्रतियोगिता भी कराई जानी चाहिए। पर्व पर आतिशबाजी की परंपरा है, ऐसे में यह ध्यान रखें कि भीड़ भाड़ के बीच आतिशबाजी न हो। सुरक्षा के दृष्टिगत सादी वर्दी में पुलिसकर्मियों की तैनाती भी की जाए। इस अवसर पर बिजली की निर्बाध आपूर्ति होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने लखनऊ की दैनिक सफाई व्यवस्था की समीक्षा भी की और निर्देश दिए कि राजधानी को उसकी गरिमा के अनुरूप स्वच्छ रखा जाना चाहिए। सफाईकर्मियों का भुगतान समय पर हो जाए। जी-20 और जीआईएस के समय जिस प्रकार पूरे महानगर की सजावट की गई थी, उसे स्थायी रूप देने की आवश्यकता है। राजधानी के सभी प्रवेश पॉइंट्स सजाए जाएं।

500 मीटर गहरी खाई में गिरा वाहन, 9 लोगों की मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल में आज सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। नैनीताल के ओखलकांडा ब्लॉक के छीड़ाखान-रीठासाहिब मोटर मार्ग में एक टैक्सी वाहन गहरी खाई में गिर गई। हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई है। साथ ही दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को खाई से निकालकर ग्रामीणों ने बड़ी मुश्किल से सड़क तक पहुंचाया। हादसे के वक्त वाहन में 11 लोग सवार थे। क्षेत्र के प्रकाश मटियाली, रंजीत मटियाली ने बताया कि शुक्रवार की सुबह 8 बजे एक टैक्सी वाहन 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। उन्होंने बताया कि वाहन में 11 यात्री सवार थे, जिसमें से 9 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 लोगों को गंभीर हालात में हल्द्वानी सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर किया गया है। रंजीत मटियाली ने बताया कि हादसे में 9 लोगों की मौत हुई है। हादसे के एक घंटे बाद भी प्रशासन, एसडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची। जिसके बाद ग्रामीणों ने ही रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क सही नहीं होने के चलते वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा।

आईएस आतंकियों को अलीगढ़-संभल ले जाकर होगी छानबीन वजीहुद्दीन समेत पांच की दस दिनों की पुलिस रिमांड स्वीकृत

लखनऊ। एटीएस (आतंकवाद निरोधक दस्ता) इस्लामिक स्टेट (आइएस) के आतंकी वजीहुद्दीन व उसके चार अन्य साथियों को अलीगढ़ व संभल लेकर जाकर भी छानबीन करेगा। आतंकियों ने एयरगन, जिहादी आडियो व वीडियो की पेन-ड्राइव व अन्य सामग्री को अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखा है, जिसे बरामद करने का प्रयास होगा। एटीएस पांचों आतंकियों का आमना-सामना भी कराएगा। एटीएस की विशेष कोर्ट ने वजीहुद्दीन के साथ ही अलीगढ़ से पकड़े गए राकिब इमाम अंसारी, संभल से पकड़े गए नावेद सिद्दीकी, मोहम्मद नोमान व मोहम्मद नाजिम की दस-दस दिनों की पुलिस रिमांड स्वीकृत की है। एटीएस ने वजीहुद्दीन को छत्तीसगढ़ से पकड़ा था, जिसके बाद अन्य चार आरोपित भी गिरफ्तार किए गए थे। एटीएस इनके अन्य साथियों की भी तलाश कर रही है। एटीएस ने सबसे पहले पांच नवंबर को अलीगढ़ से आइएस के पुणे माड्यूल से जुड़े आतंकी अब्दुल्ला अर्सलान व माज बिन तारिक को पकड़ा था। अब तक कुल सात आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। एटीएस अब्दुल्ला व माज को फिर से पुलिस रिमांड पर लेने का प्रयास भी करेगा। जिससे उनका सामना वजीहुद्दीन व अन्य चार आरोपितों से कराया जा सके।

एटीएस अधिकारियों के अनुसार आरोपित एक हमले में मारे जा चुके आइएस समूह के नेता अबू इब्राहिम से प्रभावित होकर जिहाद से जुड़े थे। आरोपितों के मोबाइल फोन से बरामद डेटा के विश्लेषण में सामने आए तथ्यों के आधार पर उनसे पूछताछ की जाएगी। पांचों के बैंक खातों का पता लगाकर उनकी भी जांच होगी। इनके अन्य सक्रिय साथियों के संभल, अलीगढ़, रामपुर व प्रयागराज में छिपे होने की आशंका हैं। आरोपितों को इन स्थानों पर ले जाकर उनके साथियों की पहचान व गिरफ्तारी का प्रयास किया जाएगा। एटीएस यह भी पता लगाएगा कि वजीहुद्दीन व उसके साथी प्रदेश में किन-किन स्थानों पर गए थे और उनके निशाने पर हिंदूवादी संगठन के कौन-कौन नेता थे।

यमनी नागरिक की हत्या की दोषी भारतीय नर्स को झटका, यमन के सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली। यमन के नागरिक की हत्या की दोषी भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को एक और झटका लगा है। दरअसल यमन के सुप्रीम कोर्ट ने निमिषा की मौत की सजा के खिलाफ वाली याचिका खारिज कर दी है। निमिषा साल 2017 से यमन की जेल में बंद है। निमिषा को यमनी नागरिक तलाल एब्दो माहदी की हत्या का दोषी पाया गया था। आरोप है कि निमिषा ने माहदी के पास जमा अपना पासपोर्ट पाने के लिए माहदी को बेहोशी के इंजेक्शन दिए थे लेकिन इन इंजेक्शनों की वजह से माहदी की मौत हो गई। वहीं निमिषा को बचाने की कोशिशें भी चल रही हैं और निमिषा की मां ने भारत सरकार से उन्हें यमन जाने देने की इजाजत मांगी है। गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने भी केंद्र सरकार से कहा है कि वह निमिषा प्रिया की मांग की अपील पर एक हफ्ते में फैसला करे। बता दें कि निमिषा प्रिया की मां ने इस साल की शुरूआत में दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर यमन जाने देने की मांग की थी। दरअसल साल 2017 में यमन में गृहयुद्ध शुरू होने के बाद से भारत सरकार ने अपने नागरिकों के यमन जाने पर रोक लगा दी थी। अब निमिषा की मां अपनी बेटी को बचाने के लिए यमन जाकर माहदी के परिजनों से उसकी बेटी को माफ करने की अपील करना चाहती हैं। साथ ही वह माहदी की मौत के बदले में उसके परिजनों को ब्लड मनी देने पर भी बातचीत कर सकती हैं। निमिषा का बचाने का फिलहाल यही एक तरीका है। याचिकाकर्ता के वकील सुभाष चंद्रन केआर ने कहा कि निमिषा को बचाने का एकमात्र उपाय पीड़ित के परिजनों से बातचीत कर सुलह की कोशिश है। हालांकि इसके लिए याचिकाकर्ता को यमन जाने की जरूरत है लेकिन यमन की यात्रा पर लगे प्रतिबंध की वजह से निमिषा की मांग यमन नहीं जा पा रही हैं। केंद्र सरकार के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि सरकार जल्द ही यमन की यात्रा पर लगे प्रतिबंधों में थोड़ी ढील दे सकती है।

जुंटा विरोधी समूह का म्यांमार सैनिक शिविर पर कब्जा, भारत की सीमा लांघकर 29 जवानों ने ली मिजोरम में एंट्री

आईजोल। पड़ोसी मुल्क म्यांमार में सैनिकों के शिविर पर जुंटा विरोधी समूह का कब्जा हो गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसके बाद लगभग 29 और म्यांमार सैनिक मिजोरम भाग आए हैं। उनके साथ, पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) के साथ हाल ही में हुई गोलीबारी के कारण कुल 74 म्यांमार सैन्यकर्मी मिजोरम भाग गए थे। हालांकि, इनमें से कई सैनिकों को वापस भेज दिया गया था। पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय) लालबियाकथांगा खियांग्ते ने एक समाचार एजेंसी को बताया, "आज 29 और सैनिकों ने तियाउ नदी के पास चंफाई जिले के सैखुमफाई में पुलिस और असम राइफल्स से संपर्क किया। यह भारत और म्यांमार के बीच सीमा के रूप में कार्य करती है।" म्यांमार के सैनिक अंतरराष्ट्रीय सीमा से कुछ किलोमीटर दूर चिन राज्य के तुईबुल में अपने शिविर से भाग गए। असम

राइफल्स के एक अधिकारी ने कहा कि इन 29 म्यांमार सैनिकों को अभी भी उनके देश वापस नहीं भेजा गया है। एक अधिकारी ने कहा कि कुल 45 सैनिक, जो पड़ोसी देश के चिन राज्य में दो सैन्य ठिकानों पर पीडीएफ के कब्जे के बाद मिजोरम भाग गए थे, उन्हें मंगलवार को म्यांमार की सैन्य सरकार को सौंप दिया गया। भारत ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास म्यांमार की सेना और जुंटा विरोधी समूहों के बीच लड़ाई को रोकने का आह्वान किया है। दरअसल, इस झड़प के कारण मिजोरम में म्यांमार के लोगों की आमद बढ़ गई है। फरवरी 2021 में सेना द्वारा तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा करने के बाद से म्यांमार में लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। म्यांमार की सेना अपने विरोधियों और सत्तारूढ़ शासन के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष में शामिल लोगों के खिलाफ हवाई हमले कर रही है। म्यांमार भारत के रणनीतिक पड़ोसियों में से एक है और नागालैंड और मणिपुर सहित कई पूर्वोत्तर राज्यों के साथ 1,640 किलोमीटर की सीमा साझा करता है। म्यांमार सैन्य शासन द्वारा पड़ोसी देश में तख्तापलट करने के बाद फरवरी 2021 से 31,000 से अधिक म्यांमार नागरिकों ने मिजोरम में शरण ली है।

मतदान के बाद सीएम बघेल बोले- अबकी बार 75 पार, कोई प्रतिस्पर्धा नहीं, लड़ाई एकतरफा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दूसरे और अंतिम चरण के लिए मतदान जारी है। प्रदेश में निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में मतदान कराया है, जिसके तहत पहले चरण का मतदान सात नवंबर को संपन्न हो चुका है, आज यानी 17 नंबर को अंतिम चरण को लिए 70 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। इसी कड़ी में पाटन के कुरूदडीह के प्राइमरी स्कूल में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने परिवार के तमाम सदस्यों के साथ मतदान किया। मतदान के बाद भूपेश बघेल ने जीत का दावा करते हुए कहा कि अबकी बार 75 पार। अपना वोट डालने से पहले छत्तीसगढ़ के सीएम और दुर्ग विधानसभा से कांग्रेस उम्मीदवार भूपेश बघेल ने कहा कि हम 75 से ज्यादा सीटें जीतने जा रहे हैं। यहां लड़ाई एकतरफा है कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। आगे सीएम बघेल ने यह भी कहा कि हमने किसानों के लिए, महिलाओं के लिए, युवाओं के लिए, मजदूरों के लिए जो गारंटी दी है उस गारंटी का नतीजा है कि बूथों में लोग बढ़-चढ़कर आ रहे हैं।

संपादकीय

लोकलुभावन वादों के बीच स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव कराना हुआ दूभर

चुनाव के समय राजनीतिक दल न केवल अपने घोषणा-पत्रों में बढ़-चढ़ कर लोकलुभावन वादे करते, बल्कि नकदी, आभूषण, महंगे उपहार और नशीले पदार्थ आदि बांट कर भी मतदाता को अपने पाले में खींचने का प्रयास करते देखे जाते हैं। यह अब एक तरह से परिपाटी बन गई है। हालांकि हर चुनाव में प्रत्याशियों के लिए खर्च की सीमा तय है और निर्वाचन आयोग दम भरता है कि वह स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव कराएगा। इसके लिए जगह-जगह छापामार दल तैयार किए जाते हैं, जो चुनाव के समय अवैध रूप से मतदाताओं को लुभाने वाली गतिविधियों पर नजर रखते और नकदी आदि बांटने पर रोक लगाने का प्रयास करते हैं। मगर हकीकत यही है कि हर चुनाव में नकदी और महंगे उपहार, शराब वगैरह का चलन बढ़ता गया है। अभी केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने बताया है कि पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों के दौरान जब्त की गई राशि पहले के चुनावों की तुलना में काफी बढ़ी हुई है। इस मामले में राजस्थान अव्वल है, जहां पहले की तुलना में करीब तीन गुना अधिक राशि जब्त की जा चुकी है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन राज्यों में कितने बड़े पैमाने पर नकदी, शराब वगैरह बांटी गई। चुनाव सुधार को लेकर लंबे समय से सुझाव दिए जाते रहे हैं। मतदाताओं को अनैतिक रूप से लुभाने की कोशिशों पर रोक लगाने के मकसद से कुछ कड़े प्रावधान भी किए गए। मगर उन कोशिशों का कोई लाभ नहीं मिल पा रहा, तो जाहिर है इसमें राजनीतिक दलों की इच्छाशक्ति का अभाव है। शायद किसी भी पार्टी में ऐसा नैतिक साहस नहीं है, जो दावा कर सके कि वह तय नियमों से बाहर जाकर चुनाव खर्च नहीं करती। यही वजह है कि स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी बेशक निर्वाचन आयोग पर है, मगर उसे एक प्रकार से नख-दंतविहीन बना कर रखा गया है। चुनाव में प्रत्याशी के लिए तो खर्च की सीमा तय है, मगर पार्टियों के लिए कोई सीमा नहीं है। इस तरह अक्सर प्रत्याशी अपने तय सीमा से अधिक खर्च को पार्टी खर्च के खाते में दिखा देते हैं। इस तरह चुनावों में बेतहाशा खर्च किया जाने लगा है। निर्वाचन आयोग के लिए उस पर अंकुश लगाना कठिन बना हुआ है। पार्टियों को चुनावी चंदे के रूप में मिलने वाले गुप्त धन पर अंकुश लगाना तो चुनौती है ही। इस तरह चुनावों में काले धन को सफेद करने की कोशिशों पर रोक लगाना भी मुश्किल काम बना हुआ है। सब जानते हैं कि चुनावों में खर्च होने वाला धन राजनीतिक पार्टियां और प्रत्याशी चंदे के रूप में जुटाते हैं। हालांकि इसके लिए भी नियम-कायदे हैं, मगर हर राजनीतिक दल के पास चोरी-छिपे गुप्त धन पहुंचता है, जो आमतौर पर कालाधन होता है। वही पैसा प्रायः नकदी, आभूषण, शराब और दूसरी वस्तुओं के रूप में बांटा जाता है। आयकर और प्रवर्तन विभाग छापेमारी करके कुछ नकदी आदि पकड़ तो लेते हैं, मगर वह बांटी गई रकम का महज छोटा हिस्सा होती है। फिर, राजनीतिक दलों की इस प्रवृत्ति पर अंकुश इसलिए नहीं लग पाता कि जिस प्रत्याशी के पास से ऐसी अवैध चीजें पकड़ी जाती हैं, उसके खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हो पाती। आजतक ऐसे किसी व्यक्ति का नामांकन या उसका चुनाव रद्द करने का प्रमाण नहीं है। जब तक कोई सख्त कदम नहीं उठाया जाएगा, राजनीतिक दल मतदाता को इस तरह प्रलोभित करने से शायद ही बाज आएं।

चल रही तलाश !

बनें नए समीकरण ।
चल रही तलाश ।।
लाना अलग चेहरे ।
जगी ऐसी प्यास ।।
करना सब नवीन है ।
आए नई बहार ।।
चाह रहे हम करने को ।
जनता पर उपकार ।।
किए यदि सुधार ।
तय मिलना है फल ।।
कार्यकताओं को ।
मिल जाए कुछ बल ।।
रणनीति ही ऐसी ।
है हमने बनाई ।।
उब गए हैं हम ।
हुई जो जगहंसाई ।।

–कृष्णेन्द्र राय

भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के पुरोधा हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री संस्कृतिपुरुष नरेंद्र मोदी ने भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के पुरोधा युगपुरुष बनकर न केवल संस्कृति का संरक्षण किया बल्कि उसके पुनर्जागरण के अभूतपूर्व एवं विलक्षण उपक्रम करके एक बार फिर भारत की संस्कृति को जीवंतता, हिमालयी ऊंचाई एवं समुद्र-सी गहराई प्रदान की है। प्राचीन काल से ही भारत दुनिया में अध्यात्म, कला, विज्ञान और तकनीक से जुड़े ज्ञान का केंद्र माना जाता रहा है। बीच में एक दौर ऐसा भी आया जब विदेशी शासकों और औपनिवेशिक युग ने कई भारत की गौरवशाली संस्कृति एवं समृद्ध विरासत को भारी नुकसान पहुंचाया कि उन्हें आज तक फिर जिंदा नहीं किया जा सका। आजादी के बाद भी इस तरह की स्थितियों का बना रहना दुर्भाग्यपूर्ण रहा। पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव एवं अगले वर्ष के प्रारंभ में होने वाले लोकसभा चुनाव में भारत की संस्कृति, गौरवमय विरासत एवं समृद्ध इतिहास जैसे शाश्वत मुद्दे पर जनजागरण का माहौल बनाया जाना चाहिए।

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने विकास भी विरासत भी के नारे के तहत सांस्कृतिक पुनर्जागरण के विलक्षण प्रयास किये हैं। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ज्ञान प्रणालियों, परंपराओं और सांस्कृतिक लोकाचार को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के कार्य को अत्यधिक महत्व दिया है। अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का जीर्णोद्धार और उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर के निर्माण ने हमारे प्राचीन इतिहास के अहम पहलुओं को फिर से उजागर किया है। इसके साथ ही, चोरी और लूट के जरिए विदेश पहुंचीं कलाकृतियों और मूर्तियों का लौटना भारतीय विरासत के लिए गर्व का क्षण है, जो विभिन्न देशों की ओर से खेद जताने का प्रतीक भी है। ऐसे महत्वपूर्ण काम हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के स्थायी साक्ष्य के रूप में देश की स्मृति में अंकित हो रहे हैं। सांस्कृतिक वैभव को आजादी के अमृतकाल में अमृत-छटा प्रदान करने के कार्य नये भारत-सशक्त भारत के प्रतीक बन रहे हैं।

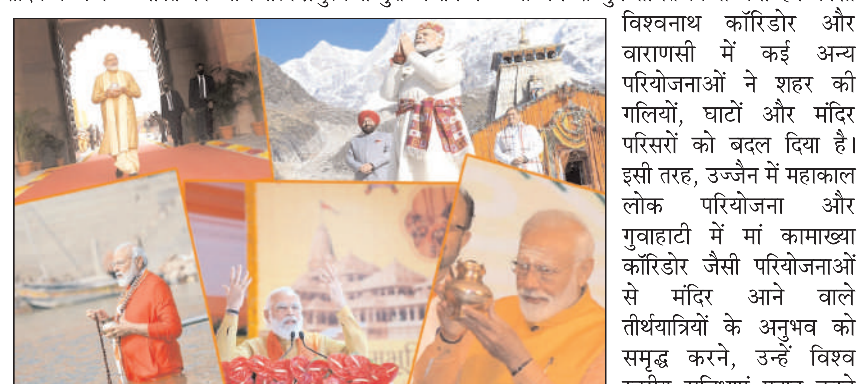

अपने प्रभावी एवं सफल दूसरे शासनकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को देश की एकता के साथ जोड़ने का काम किया है। धर्म के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के जरिये उन्होंने कई ऐसे कार्यक्रम शुरू किए हैं, जो बेहतर अवसरों के साथ भारत को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा रहे हैं। योग दिवस हो, अहिंसा दिवस हो, जी-20 की अध्यक्षता हो या इंटरनैशनल इयर ऑफ मिलेट्स प्रोग्राम जैसे ऐतिहासिक एवं अनूठे उपक्रमों के साथ प्रधानमंत्री मोदी ऐसे नेता साबित हुए हैं, जो अपनी सांस्कृतिक जड़ों से मजबूती से जुड़े हुए हैं और संस्कृति को मजबूती देते हुए उसे नये आयाम दे रहे हैं। उनकी हर साल केदारनाथ यात्रा, सैनिकों के साथ दिवाली मनाना, बोहरा समुदाय के साथ विभिन्न धर्म-सम्प्रदाय के नेताओं के साथ आत्मीय नाता भारत के विविध सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उपक्रमों को ही दशार्ते हैं। सामाजिक एवं साम्प्रदायिक विभाजन और दुष्प्रचार के बीच, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद, राजनीति के अपराधीकरण के खिलाफ उनकी अटूट जंग भारत को अभिजात्य प्रभुत्व से मुक्त कराने में अहम है। आज भारत इक्कीसवीं सदी की सबसे जागृत अवस्था में है। राष्ट्र की इस दिव्यता के पीछे जो प्रचुर आस्था है, उसे बस राजनीतिक इच्छाशक्ति के रूप में देखना सतही होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुड गवर्नंस के हर पहलू में बेहतर प्रदर्शन किया है और भारत को आध्यात्मिकता, तकनीक, संस्कृति, विज्ञान और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में दुनिया में अग्रणी लोकतंत्र बनाया है। सिखों के दसवें गुरु गोबिंद सिंह के चार बेटों की शहादत को वीर बाल दिवस के रूप में मनाए जाने का मोदी का ऐलान भी बहुप्रतीक्षित और ऐतिहासिक कदम रहा। संसद की नई इमारत के निर्माण और इसकी शुरूआत ने भी भारत के स्वर्ण युग की यादें ताजा कर दी हैं।

कई दशकों की उपेक्षा के बाद, भारत के लंबे सभ्यतागत इतिहास वाले विभिन्न संस्कृति एवं धर्म स्थलों को संरक्षण, पुनरुद्धार और विकास परियोजनाओं के माध्यम से पुनर्जीवित किया गया है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और वाराणसी में कई अन्य परियोजनाओं ने शहर की गलियों, घाटों और मंदिर परिसरों को बदल दिया है। इसी तरह, उज्जैन में महाकाल लोक परियोजना और गुवाहाटी में मां कामाख्या कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं से मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों के अनुभव को समृद्ध करने, उन्हें विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के साथ-साथ पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एक ऐतिहासिक क्षण में, अगस्त 2020 में अयोध्या में राम मंदिर का राष्ट्र मन्दिर के रूप में भूमि पूजन हुआ और अब भव्य मंदिर वर्ष 2024 के प्रारंभ में बनकर तैयार हो जायेगा। भारतीय संस्कृति का केंद्र हिंदू धर्म है, जो सिर्फ एक धर्म नहीं बल्कि एक व्यापक जीवन शैली है। भारतीय संस्कृति का लोकाचार हिंदू धर्म के सिद्धांतों और इसके सह-अस्तित्व और वसुधैव कुटुंबकम के मूल दर्शन के साथ जुड़ा हुआ है। हिंदू धर्म ने वह आधार प्रदान किया है जिस पर समय के साथ विभिन्न उप-संस्कृतियाँ उभरीं और विकसित हुईं, जिन्होंने भारतीय सांस्कृतिक विरासत की समृद्ध छवि में योगदान दिया। पूरे इतिहास में, भारत की संस्कृति को आक्रमणकारियों और उपनिवेशवादियों से चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिनका उद्देश्य इसके सांस्कृतिक ताने-बाने को नष्ट करना था। इस्लामी आक्रमणकारियों ने मंदिरों को निशाना बनाया, जो न केवल पूजा स्थल थे बल्कि शिक्षा, कला, नृत्य, संगीत और संस्कृति के केंद्र भी थे। इन चुनौतियों के बावजूद, भारत की सांस्कृतिक लचीलापन समय की कसौटी पर खरी उतरी है। धर्म के प्रति समग्र दृष्टिकोण में बड़े और स्पष्ट बदलाव होते हम देख रहे हैं। भू-राजनीति से लेकर हमारी विदेश नीति तक, भारतीय बोध के एकीकरण और हम पर जोर ने भारत को देखने वाले दुनिया के नजरिये पर जबर्दस्त प्रभाव डाला है। प्रधानमंत्री ने गुजरात के सोमनाथ में कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिसमें सोमनाथ प्रोमेनेड, सोमनाथ प्रदर्शनी केंद्र और पुराने (जूना) सोमनाथ के पुनर्निर्मित मंदिर परिसर शामिल हैं। इसी तरह, करतारपुर कॉरिडोर और एकीकृत चौक पोस्ट का उद्घाटन एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिससे श्रद्धालुओं के लिए पाकिस्तान में पवित्र गुरुद्वारा करतारपुर साहिब में माथा टेकना आसान हो गया। हिमालयी और बौद्ध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करना भी सरकार के प्रयासों में विशेष रूप से शामिल है।

अखिलेश यादव की चुनावी तैयारी देखकर उड़ सकती है भाजपा की नींद

उमेश चतुर्वेदी

खेती-किसानी में सबसे ज्यादा विकास दर वाले मध्य प्रदेश में कांग्रेस की उपेक्षा से क्या समाजवादी पार्टी ने मान लिया है कि अगले आम चुनाव में उसे अकेले अपने दम पर ही उतरना होगा? अखिलेश यादव ने आगे बढ़कर अपने असर वाले उत्तर प्रदेश में जिस तरह आम चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं, उसके संकेत तो यही हैं। चुनाव में जीत-हार बाद का मसला है, लेकिन अखिलेश की तैयारियों से साफ है कि अगर गठबंधन की थोड़ी गुंजाइश बनी भी तो उत्तर प्रदेश में गठबंधन उनकी ही शर्तों पर होगा। अखिलेश को लेकर यह सोच इसलिए बन रही है, क्योंकि उन्होंने ऐलान कर दिया है कि समाजवादी पार्टी राज्य की 80 में से 65 सीटों पर खुद उतरेगी। पंद्रह सीटों को छोड़कर अखिलेश यादव ने गठबंधन की गुंजाइश तो छोड़ी है। अखिलेश के साथ विधानसभा चुनाव लड़ चुके सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के ओमप्रकाश राजभर अखिलेश का साथ छोड़ चुके हैं। जिस तरह बहन जी यानी मायावती ने जिस तरह एकला चलो रे का राग अपना रखा है, उससे अखिलेश मान चुके हैं कि बहुजन समाज पार्टी से इस बार गठबंधन संभव नहीं है। पिछले लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन था। तब इसे बुआ-बबुआ का गठबंधन माना जा रहा था। साल 2017 के विधानसभा चुनावों में अखिलेश यादव की पार्टी का कांग्रेस के साथ गठबंधन था, तब उस गठबंधन को राहुल गांधी के साथ के चलते यूपी के लड़के कहा गया था। वैसे तो हर चुनाव में हर राजनीतिक दल के लिए गुंजाइश होती ही है।

लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देश में अतीत में ये दोनों गठबंधन भारतीय जनता पार्टी के सामने काम नहीं आए। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी का साफ गठबंधन नहीं था। लेकिन यह भी सच है कि समाजवादी पार्टी ने अमेठी और रायबरेली में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। लगता है कि पिछले दो विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों के अनुभव से अखिलेश सीखने की कोशिश कर रहे हैं। बेशक नीतीश कुमार और ममता बनर्जी की पहल पर अखिलेश ने विपक्षी इंडी गठबंधन में शामिल होने के लिए कदम बढ़ाया। लेकिन जिस तरह मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने उन्हें किनारे किया, उससे वे नाराज हैं। अखिलेश अपनी नाराजगी जाहिर करने से नहीं हिचकते। कमलनाथ के बयान के बाद जिस तरह अखिलेश ने तीखी प्रतिक्रिया जताई, उससे साफ है कि कांग्रेस को लेकर इस बार वे सहज नहीं हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी को चुनौती देने के लिए वे कांग्रेस का साथ ले सकते हैं। लेकिन कांग्रेस का जैसा रवैया है, जिस तरह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने गठबंधन में शामिल दलों को अनदेखा किया है, इसलिए वे कांग्रेस के साथ भी भरे मन से जा सकते हैं। क्योंकि अखिलेश नहीं चाहते कि चुनावों में विगत के दो लोकसभा चुनावों की तरह उनकी हालत हो।

विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी के बाद शायद अखिलेश ही ऐसे नेता हैं, जो पूरी शिद्दत के साथ अपनी चुनावी तैयारी में व्यस्त हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में पीडीए के फॉमूर्ले पर काम शुरू किया है। पी यानी पिछड़ा, डी यानी दलित और ए यानी अल्पसंख्यक। अखिलेश अपने कार्यकताओं से इस ए के साथ आधी दुनिया यानी महिलाओं को भी जोड़ने की बात कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी का वोट बैंक एमवाई यानी मुस्लिम-यादव के गठजोड़ पर केंद्रित रहा है। अतीत में राज्य की गैर यादव पिछड़ी जातियों का भी उसे साथ मिलता रहा है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के उभार के बाद गैर यादव पिछड़ी जातियों का बड़ा हिस्सा उसके साथ आ गया है। कोइरी, निषाद, कान्दू, गोड़ं, नाई, खरवार, नोनिया, कुर्मी आदि जातियों का एक बड़ा हिस्सा अब भाजपा के साथ है। बहुजन समाज पार्टी की स्थिति खराब होने की एक बड़ी वजह उसके दलित वोट बैंक में पड़ी दरार है। अब दलितों में ज्यादातर जाटव वर्ग ही बहुजन समाज पार्टी के साथ हैं। डोम, बसफोर, धोबी, दुसाध या पासवान जैसी जातियों का रुझान पिछले कुछ चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के साथ दिखा है। अखिलेश की निगाह गैर जाटव दलित और गैर यादव पिछड़ी जातियों पर भी है। चूंकि राजभर और नोनिया जातियां साथ आती रही हैं और ओमप्रकाश राजभर अब भाजपा के साथ हैं, इसलिए इनमें सेंध लगाना अखिलेश के लिए आसान नहीं होगा। पिछले कुछ चुनावों में महिलाओं ने खुलकर भाजपा का साथ दिया है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा इसके अपवाद हैं। अब महिलाओं की चुनावी सोच अपने पतियों, बेटों, पिताओं या घर के अन्य पुरुष सदस्यों की सोच पर निर्भर नहीं रही। देर से ही सही, अखिलेश इसे समझते नजर आ रहे हैं। इसीलिए वे पीडीए के फॉमूर्ले में महिलाओं को भी शामिल कर रहे हैं। अपने कार्यकताओं को वे महिलाओं के बीच जाने को कह रहे हैं। वैसे भी उनके वोट बैंक के प्रमुख जातीय समूह के बारे में आम धारणा है कि वह आक्रामक होती है, इसलिए महिलाओं के बीच अखिलेश कितना लोकप्रिय हो पाएंगे, यह कहना मुश्किल है।

अखिलेश को अब आभास हो गया है कि उनकी चुनौती बड़ी है। 2012 का विधानसभा चुनाव जीतने और कम उम्र में मुख्यमंत्री का पद पा लेने के बाद राजनीति की पथरीली चुनौतियों को वे उतनी गहराई से शायद नहीं समझ पाते थे, जितनी समझ उनके पिता मुलायम सिंह की थी। लेकिन लगातार चार चुनावों में पिछड़ने के बाद लगता है कि वे राजनीति को ठीक से समझने लगे हैं। इसीलिए वे अपनी तरह से राजनीति को धार दे रहे हैं। शायद यही वजह है कि वे अपने तरीके से अपनी राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। चूंकि लगातार चार चुनावों और दो नगर निकाय चुनावों में समाजवादी पार्टी भाजपा के सामने लगातार पिछड़ती रही है। इस आधार पर माना जा सकता है कि अखिलेश के सामने चुनौती कम नहीं हुई है। लेकिन कम से कम वे राहुल गांधी की तुलना में कहीं ज्यादा गहरी कोशिश करते नजर आ रहे हैं। इस तथ्य को कांग्रेस भी समझ ही रही होगी। लेकिन उसके उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शायद इसे नहीं समझते या फिर पार्टी को अपने दम पर आगे लाने का उन पर बढ़ा दबाव, वे अखिलेश को नाराज करने से खुद को रोक नहीं पाए। अजय राय का चिढ़ाऊ बयान और मध्य प्रदेश में राहुल की अनदेखी ने शायद अखिलेश के लिए एकला चलो रे की धुन पर उत्तर प्रदेश का चुनावी राग गाना मजबूरी भी है। अगर मजबूरी में ही वे शिद्दत से तैयारी करते नजर आ रहे हैं तो भारतीय जनता पार्टी को उनसे चौकस रहना होगा। उनकी रणनीतियों पर निगाह रखनी होगी।

क्या प्रशांत महासागर क्षेत्र के देशों में भी चीन के प्रति नाराजगी पनप रही है?

चीन ने हाल के वर्षों में प्रशांत महासागर में तेजी से अपने कदम जमाए हैं क्योंकि वह अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ पारंपरिक रूप से मजबूत संबंध रखने वाले कई देशों पर अपना प्रभाव छोड़ने और उन्हें चुनौती पेश करने के प्रयास कर रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रशांत महासागर के आसपास पड़ने वाले देशों के लोग क्षेत्र में चीन के हितों के विस्तार और गतिविधियों के बारे में क्या सोचते हैं। यह पता लगाने के लिए हाल ही में दो देशों पापुआ न्यू गिनी और सोलोमन द्वीपसमूह में सर्वे किए गये, जहां चीन ने हाल के वर्षों में अपना प्रभाव बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है। हम आपको बता दें कि दोनों देशों ने "सभी के मित्र और किसी से शत्रुता नहीं की विदेश नीति अपनाई है।

पापुआ न्यू गिनी क्षेत्र में चीन का प्रमुख कूटनीतिक और व्यापार साझेदार है। प्रधानमंत्री जेम्स मरापे ने हाल ही में चीन की यात्रा की, जहां उन्होंने और चीन के नेताओं ने अपने प्रगाढ़ होते आर्थिक व सुरक्षा संबंधों पर चर्चा की। इस दौरान साझा मुद्रा व्यापार समझौते को लेकर भी चर्चा हुई। इस बीच, सोलोमन द्वीपसमूह ने ताइवान को दी गई राजनयिक मान्यता सितंबर 2019 में रद्द कर दी, जिसके बाद से चीन के साथ उसके संबंध तेजी से मजबूत हुए हैं। चीन ने प्रधानमंत्री एम सोगावरे की सरकार के साथ व्यापार, कृषि, स्वास्थ्य, मत्स्य पालन और पुलिस आदि को लेकर सहयोग बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास किए हैं। पहले सर्वेक्षण में पापुआ न्यू गिनी में चीन के स्वामित्व वाली रामू नीको परियोजना की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारियों का आकलन उन लोगों की नजर से करने की कोशिश की गई जो फिलहाल मदांग प्रांत में रह रहे हैं या रह चुके हैं, जहां यह परियोजना है। हमने कुल मिलाकर 100 लोगों की प्रतिक्रिया ली, जिनमें मुख्यतः डिवाइन वर्ड यूनिवर्सिटी के वर्तमान और पूर्व छात्र एवं कर्मचारी शामिल थे। वर्ष 2019 में, निकेल खदान संचालक को गलती से प्रांत की एक खाड़ी में लगभग 200,000 लीटर जहरीला घोल छोड़ने के लिए माफी मांगनी पड़ी थी। उत्तरदाताओं में से ज्यादातर (98 प्रतिशत) ने कहा कि वे पर्यावरण प्रदूषण के बारे में चिंतित हैं, जबकि लगभग 60 प्रतिशत लोगों ने कहा कि खदान परियोजना से पापुआ न्यू गिनी को कोई लाभ नहीं हुआ है। लोगों से सवाल किया गया कि क्या वह चीन के स्वामित्व वाली कंपनी रामू निको को परियोजना की मंजूरी देने के पिछली सरकार के फैसले का समर्थन करते हैं, तो 70 प्रतिशत ने नहीं जवाब दिया। हालांकि, खनन पट्टे के क्षेत्र में रहने वाले लोग रॉयल्टी या सहायक कारोबार के रूप में सीधे वित्तीय लाभ के कारण परियोजना के बारे में अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। 72 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि वे पापुआ न्यू गिनी सरकार द्वारा चीन के साथ संबंध प्रगाढ़ बनाने का समर्थन करते हैं। दूसरे सर्वेक्षण में पापुआ न्यू गिनी के 78 छात्रों से बात की गई, जिन्हें चीन सरकार की ओर से छात्रवृत्ति मिली थी। अधिकांश उत्तरदाताओं (87 प्रतिशत) ने कहा कि वे अपने दोस्तों को इस छात्रवृत्ति कार्यक्रम के बारे में बताएंगे। चीन में पढ़ाई करने से देश के बारे में उनकी धारणा भी बदलती दिखाई दी है। इन छात्रों के चीन जाने से पहले, उन्हें पश्चिमी देशों की राजनीतिक प्रणालियों की तुलना में चीनी राजनीतिक प्रणाली को एक से पांच के पैमाने पर (बहुत कम प्रभाव से बहुत उच्च प्रभाव तक) स्कोर करने के लिए कहा गया था। छात्रों ने विदेश में अध्ययन से पहले चीन की प्रणाली को पांच में से 3.45 का औसत स्कोर दिया। कार्यक्रम शुरू करने और कुछ समय तक चीन में रहने के बाद, यह औसत स्कोर बढ़कर 4.01 हो गया। तीसरे सर्वेक्षण के लिए, सोलोमन नेशनल यूनिवर्सिटी के 93 छात्रों से चीन और अमेरिका व ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के बारे में उनके विचारों पर चर्चा की गयी। उत्तरदाताओं में से दो-तिहाई चीन और सोलोमन द्वीप के बीच घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों के समर्थक थे, लेकिन अमेरिका के साथ घनिष्ठ संबंधों के लिए समर्थन और भी अधिक (76 प्रतिशत) था। सोलोमन द्वीप में लगभग 80 प्रतिशत छात्रों ने चीन की बेल्ट और रोड परियोजनाओं का भी समर्थन किया। एक प्रतिभागी ने लिखा, वे हमारी सड़कों के निर्माण और रखरखाव में बहुत सहायक हैं। हालांकि करीब 20 प्रतिशत प्रतिभागियों का दृष्टिकोण अधिक नकारात्मक था। उदाहरण के लिए, एक छात्र ने कहा, उनका उद्देश्य हमारी सरकार के लिए ऋण जोखिम पैदा करना है और इससे चीन का हमारे संपूर्ण संसाधनों पर नियंत्रण हो जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर आज देश के किसी भी राजनैतिक दल में लोकतंत्र नहीं है : विशाल सिंह "चंचल"

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्र पंचायत सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग मरदह, मुहम्मदाबाद के बाद आज बजरंग शिक्षण संस्थान बकुलियापुर मे आयोजित हुआ, जिसमें क्षेत्र पंचायत सदस्यों को चार सत्रों में भारतीय जनता पार्टी के इतिहास से परिचित और संस्कार, संस्कृति से अलंकृत किया गया। इसके समापन अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्यों को संबोधित करते हुए विधान परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर आज देश के किसी भी राजनैतिक दल में लोकतंत्र नहीं है। यह परिवार वाद कि पार्टी नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्षी समाजवादी पार्टी के लोग सिर्फ अवसर के तलाश में रहने वाले लोग हैं। इनका सरोकार जनता के काम या जनता से कभी नहीं रहा है। भारतीय जनता पार्टी मे नेता किसी नेता के घर से नहीं पैदा होता, बल्कि छोटे से एक कार्यकर्ता के रूप में अपने कार्यो एवं निष्ठा, लग्न, समाज सेवा के माध्यम से संगठन और सरकार के शीर्ष पद पर स्थापित होते हैं। इस अवसर पर प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने कहा कि देश की आजादी के बाद अराजकता के माहौल में जो परिस्थितियां देश में पैदा हुई उससे तुष्टिकरण की राजनीति मजबूत हुई। देश कि सभ्यता, संस्कृति तथा क्षेत्रीय असंतुलन से उपजा असंतोष 21 अक्टूबर 1951 को भारतीय जन संघ के स्थापना का कारण बना। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का इतिहास देश की एकता, अखंडता और सेवा समर्पित राजनीतिक संघर्षों की गाथा है। जिसके सिद्धांत, विचार सामाजिक समरसता के पूरक हैं। आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का यह प्रशिक्षण वर्ग एक अभ्यास वर्ग है, जो हमें हमारी निष्ठा और जिम्मेदारियों को नैतिकता का बोध तथा नेतृत्व को कुशलता प्रदान करता है। दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए पुर्व जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश लगातार समृद्धि का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार का सर्वांगीण विकास देश के समस्त भू भाग पर प्रत्येक व्यक्ति के जीवन मे दिखाई दे रहा है। गरीबों का सपना साकार हुआ। लाल किले की प्राचीर से दिया गया स्वच्छता का संदेश लोगों के कल्याण और समृद्धि में सहायक सिद्ध हो रहा है। तीसरे सत्र को संबोधित करते हुए पुर्व महामंत्री रामनरेश कुशवाहा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सेवा समर्पित राजनीति के साथ आज विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी है जिसके सिद्धांत, विचार पार्टी के जनप्रतिनिधियों के कार्य व्यवहार व वाणी, संस्कार में निहित है। जो देश के गौरव को मजबूत करने के लिए काम करते हैं। चौथे और अंतिम समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए जिला महामंत्री ओमप्रकाश राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का गौरव शाली इतिहास रहा है। जो सदैव देश की एकता, अखंडता, सभ्यता, संस्कृति के लिए त्याग और बलिदान की राजनीति को स्वीकार किया है। जो कभी सत्ता को सुख का आधार नहीं बल्कि सेवा का अवसर माना है। उन्होंने कहा कि जन कल्याण के लिए असम्भव को सम्भव बनाना जनप्रतिनिधियों का काम और जिम्मेदारी है। नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालय हमारी संस्कृति के अंग रहे हैं। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों को उनके नैतिकता और कर्तव्य निष्ठा की श्पथ भी दिलाई गई। प्रशिक्षण वर्ग के एक सत्र की अध्यक्षता राकेश राय तथा संचालन महामंत्री प्रवीण सिंह, दयाशंकर पांडेय, अखिलेश सिंह, मनोज बिंद ने किया। आज के इस प्रशिक्षण वर्ग में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि योगेन्द्र सिंह, राजदेव यादव, सुरेश बिंद, विष्णु सिंह, संतोष यादव, जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, गोपाल राय, धर्मेन्द्र कुशवाहा, अरविंद राय, मोनू तिवारी, लल्लन सिंह, किरन सिंह, सुनिता सिंह, कंचन गीरी, कंचन, साधना यादव, अनिल जायसवाल क्षेत्र पंचायत सदस्य दिनेश विश्वकर्मा, रामलीला देवी, नरेन्द्र विश्वकर्मा, मंशा देवी, लाल जी शर्मा, कंचन तिवारी, दीपमाला श्रीवास्तव, सुधीर केशरी आदि मौजूद रहे।

हॉट कुक योजना में होंगे शामिल 84289 बच्चे

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में 3 से 6 वर्ष हॉट कुक्ड योजना बहुत पुरानी योजना है। जो काफी दिनों से बंद चल रही थी। इसके स्थान पर सूखा राशन दिया जा रहा था। लेकिन एक बार फिर से शासन इस योजना को आंगनबाड़ी केंद्रों पर मिड डे मील योजना की तरह संचालित करने का प्लान बनाया है। जिसके लिए जनपद के 4127 केंद्रों पर 84289 बच्चों को इस योजना से लाभान्वित करने के लिए चयन किया जा चुका है। जिला कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार पांडे ने बताया कि हॉट कुक्ड योजना काफी दिनों से बंद चल रही थी। उसकी जगह पर आंगनबाड़ी केदो पर आने वाले बच्चों को सुखा राशन के तहत चने का दाल और दलिया दिया जा रहा था। लेकिन अब शासन के द्वारा एक बार फिर से इस योजना को संचालित करने का पत्र विभाग को प्राप्त हो चुका है। जिसको लेकर विभाग ने अपनी तैयारी भी शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि इसको लेकर जिला अधिकारी के द्वारा कन्वर्जन विभाग बीएसए, पंचायती राज, विपणन विभाग के साथ ही पूर्ति विभाग व अन्य के साथ बैठक पूरा किया जा चुका है। साथ ही केंद्रों का मैपिंग भी कराया जा चुका है। जिससे यह पता चल सके की किस केंद्र का भोजन कहां बनाना है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालयों के अंतर्गत संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केदो का हॉट कुक्ड मिड डे मील भोजन के साथ वहां की रसोइयों के द्वारा बनाया जाएगा। जो आंगनवाड़ी केंद्र प्राथमिक विद्यालयों से दूरी पर है वहां पर उनका भोजन सहायिका के द्वारा बनाया जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि पूर्व में सुखा राशन की योजना जो चल रही थी वह भी निरंतर चलती रहेगी। हॉट कुक्ड योजना के लिए शासन की तरफ से ?4.50 पैसे कन्वर्जन प्रति बच्चे शासन के द्वारा दिया जाएगा। जिसमें से 25 पैसे खद्यान व परिवहन पर खर्च किए जाएंगे। इस पैसे में प्राथमिक विद्यालय की रसोइयों की पारिश्रमिक भी शामिल है। उन्होंने बताया कि जखनिया में 3 वर्ष से 6 वर्ष के वास्तविक उपस्थित बच्चों की संख्या 5092, मनिहारी 5824, सादात 6251, सैदपुर 5685, देवकली 5497, करंडा 3075, सदर 4597, शहर 2297, मरदह 4390, कासिमाबाद 6059, बाराचवर 5385, मोहम्मदबाद 4471 ,भांवरकोल 5092, रेवतीपुर 4718 ,भदौरा 4450, जमानिया 70 08 बच्चे इस योजना से लाभान्वित होंगे।

मारवाड़ी युवा मंच अन्नपूर्णा शाखा द्वारा दीपावली डांडिया नाइट का आयोजन, महिलाओं और बच्चों ने जमकर उठाया आनन्द

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मारवाड़ी युवा मंच अन्नपूर्णा शाखा द्वारा दीपावली डांडिया नाइट का आयोजन गुरुवार की रात मरौली स्थित एक लॉन में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दीपक बजाज मनोज ने दीप प्रज्वलन कर राम दरबार पर पुष्पांजलि अर्पण कर तथा माता की फोटो के आगे दी प्रजुलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम की शुरूआत दो बेटियों ने गणेश वंदना सुन्दर प्रस्तुति देकर के की उसके बाद ढोल बजाओ स्वागत में मेरे घर राम आए हैं गाने पर श्रुति जैन और श्वेता अग्रवाल ने सुंदर प्रस्तुति की। कार्यक्रम संयोजक कनक खंडेलवाल ने तम्बोला खिलाकर लोगों को बहुत सारे उपहार बांटे संस्था की अध्यक्ष जया बसिया द्वारा डांडिया की

शुरूआत करवाई जिसमें बहुत देर तक लोग डीजे के संगीत पर थिरके संस्था के द्वारा डांडिया नाइट क्वीन बेस्ट जोड़ी और बच्चों अवार्ड दिया गया 250 से ज्यादा जोड़ी स्थापित रहे सब ने मिलकर हम इंडिया वाले गाने पर डांस करके अपने इंडिया की सेमी फाइनल जीत का सेलिब्रेट किया और इस उपलक्ष में विराट कोहली वाला केक काटा। कार्यक्रम संयोजिका श्वेता ने बताया की जिन भाभियों का इस माह में बर्थडे और एनिवर्सरी थी उन भैया और भाभी के साथ केक भी कटवाया गया। अग्रवाल आर के दास, पूजा अग्रवाल, दीपा अग्रवाल और प्रियंका अग्रवाल, ईशान शाह, पंकज टेकरीवाल, दिव्या, दीपिका, काजल जालान, सुनीता अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, जया जैन रही।

मारपीट आगजनी के मामले पर पूर्व राज्यमंत्री व पूर्व ब्लाक प्रमुख भाई समेत 23 दबंगो पर मुकदमा

प्रखर जौनपुर। सिद्दीकपुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर चार दर्जन दबंगों ने गुरुवार की रात में हमला कर दिया। धारदार हथियार से मार कर तीन लोगों को जख्मी कर दिए। इस दौरान मारपीट कर घर में रखे सामानों को तोडफोड कर आगजनी कर लूटपाट किया था। जिस मामले पर पुलिस ने भाजपा नेता पूर्व राज्यमंत्री समेत उनके भाई पूर्व ब्लाक प्रमुख समेत 23 लोगों पर लूटपाट आगजनी मारपीट के विभिन्न धाराओ में मुकदमा दर्ज किया है । जानकारी के अनुसार सिद्दीकपुर में एडवोकेट दयाराम सोनकर का परिवार घर पर गुरुवार की शाम काम काज निपटा रहा था। इसी दौरान करीब दो दर्जन वाहनों पर सवार होकर चार दर्जन से अधिक लोग धारदार हथियार असलहा लेकर पहुंचे। मौके पर मौजूद 55 वर्षीय सुभाष सोनकर को मारपीट कर घायल कर दिया ,वहा मौजूद उनकी 50 वर्षीय पत्नी को भी रात

डंडे धारदार हथियार से सर पर कई वार किया। पति-पत्नी मरणासन्न होकर गिर गए और दयाराम सोनकर को भी मारपीट दिया। इसके बाद दबंगों ने वहां घर में घुसकर सोफा बिस्तर फूक दिए, फ्रिज कूलर और कार को तोड़कर छतिग्रस्त कर दिया। घर मे रखें 5 लाख नगदी भी लूट ले ले गए। घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद दयाराम सोनकर एडवोकेट की तहरीर पर पुलिस ने भाजपा नेता एवं पूर्व राज्य मंत्री जगदीश सोनकर उनके पूर्व ब्लाक प्रमुख करंजाकला के छोटे भाई दीपचंद सोनकर दीपा, सोमनाथ, साहबलाल, अनिल, सुनील, कन्हैया, दीपू, नेबुलाल समेत 23 आरोपियों के खिलाफ नाम जद मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित ने कहा कि विवादित भूमि खरीद कर दबंग लोग प्लाटिंग करके बेचते हैं। इसके पहले भी कई मामले जमीन को लेकर इन पर मुकदमे दर्ज हो चुके हैं ।घायल महिला सावित्री देवी की हालत नाजुक बनी हुई है। जिसका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।

छठ पूजा की तैयारियों के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने महावीर घाट का किया निरीक्षण

बलिया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार बृहस्पतिवार को छठ पूजा की तैयारियों के दृष्टिगत महावीर घाट का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने महावीर घाट पहुंचकर स्थानीय लोगों से बातचीत कर छठ पूजा के बारे में विस्तृत जानकारी ली। बातचीत के दौरान वहां के लोगों ने बताया कि सबसे ज्यादा भीड़ इसी घाट पर होती है। समिति के सदस्यों ने जिलाधिकारी से महावीर घाट पर मिट्टी गिराने और साफ सफाई संबंधी आग्रह किया, जिलाधिकारी ने नगरपालिका के सहायक अभियंता को आज रात से मिट्टी डलवाने का काम शुरू करने और लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता से रोलर के द्वारा मिट्टी को दबाकर समतलीकरण कराने और साफ सफाई के लिए नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी (एसडीएम सदर) को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान सीआरओ त्रिभुवन और एसडीएम सदर आत्रेय मिश्र मौजूद थे।

सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान में यातायात नियमों की दी गयी जानकारी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पाण्डेयपुर स्थित सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान समूह में यातायात पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी द्वारा यातायात जागरुकता अभियान, यातायात माह नवम्बर- 2023 पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया , यातायात विभाग से यातायात निरिक्षक पंकज तिवारी, उप निरिक्षक श्री नारायण सिंह और देवानन्द बरनवाल और योगेन्द्र सिंह उपस्थित रहे` उप निरिक्षक श्री नारायण सिंह ने कहा कि आपके सामने अगर सड़क दुर्घाटना हो तो उसे समय से अस्पताल ले जायेंगे तो किसी की जिन्दगी बचायी जा सकती हैं` महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभु नारायण दूबे ने कहा कि सदैव बड़ो की मदद से सड़क पार करें और बुजर्गों, बच्चों का भी मदद सड़क पार करने में करे` समन्वयक डॉ. अशोक कुमार पाण्डेय ने कहा कि यातायात के नियम सुरक्षा के लिए बनाये गये हैं इसलिए यातायात नियमों का पालन अवश्य करें। विधि प्रवक्ता डॉ. राजकुमार श्रीवास्तव ने कहा कि दुर्घटना स्थल पर उपस्थित व्यक्तियो द्वारा तत्काल मदद करने पर ऐसे व्यक्तियों को पुरस्कृत भी किया जाता हैं न कि दुर्घटना का विडियो बनाना चाहिए। इस अवसर पर एक

यातायात प्रश्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें आयुशी दुबे, रागिनी जायसवाल, मुस्कान खान और सुषमा विजयी रही। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. मंजु त्रिपाठी, डॉ० रोली पाण्डेय, डॉ. रश्मि नायक, डॉ. प्रतिमा मिश्रा, डॉ. पूजा सिंह, डॉ० प्रीति वर्मा और डॉ० शालिनी मिश्रा उपस्थित रही जबकि वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. अवनीश पाण्डेय ने मंचन और धन्यवाद ज्ञापन किया।

आयुष्मान भारत योजना से जुड़े चिकित्सालयों में सभी लाभार्थियों को मिले नियमानुसार इलाज की सुविधा : सीएमओ

प्रखर वाराणसी। आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (एमएमजेएवाई) के अंतर्गत सूचीबद्ध चिकित्सालय में भर्ती सभी लाभार्थियों या मरीजों को नियमानुसार निःशुल्क इलाज की सुविधा प्रदान की जाए। लाभार्थियों द्वारा इलाज के दौरान खर्च हुए व्यय को तत्काल नियमानुसार वापस किया जाए अन्यथा की स्थिति में चिकित्सालय के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी इसके साथ ही योजना में चिकित्सालय की आबद्धता निरस्त करने के लिए स्टेट एजेंसी फॉर हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) के उच्च अधिकारियों को सूचित करते हुए जिला स्तरीय स्थानीय पंजीकरण भी निरस्त कर दिया जाएगा यह कहना है मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ संदीप चौधरी का। सीएमओ ने शुक्रवार को सीएमओ कार्यालय में बैठक कर योजना से जुड़े चिकित्सालय में लाभार्थियों के उपचार के लिए विभिन्न दिशा निर्देश दिए` सीएमओ ने कहा सूचीबद्ध चिकित्सालय में आने वाले सभी रोगियों से इस आशय का सहमति पत्र अनिवार्य रूप से लिया जाए कि रोगी आयुष्मान कार्ड धारक है अथवा नहीं समस्त आबद्ध चिकित्सालय द्वारा आयुष्मान भारत योजना संबंधित प्रचार-प्रसार के लिए सूचना, शिक्षा व संचार (आईईसी) सामग्री, हेल्प डेस्क, कियोस्क को अद्यतन (अपडेट) करते हुये कार्यालय में सूचित किया जाए बनाई गई हेल्प डेस्क पर आयुष्मान मित्र की उपस्थिति के साथ-साथ उनके व चिकित्सालय के दूरभाष नंबर को भी प्रदर्शित किया जाए। यू०पी० क्लीनिकल एस्टेबलिशमेंट (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) नियम 2016 की धारा 28 (डिस्प्ले ऑफ इन्फॉर्मेशन) का अनुपालन सुनिश्चित करते हुये

चिकित्सालय परिसर में चिकित्सा इकाई का योजनांतर्गत स्पेशियलिटी रजिस्ट्रेशन नंबर, संचालक का नाम, बेड की संख्या, औषधि की पद्धति एवं चिकित्सालय द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं तथा चिकित्सा कर्मचारीवृद (चिकित्सक, नर्स आदि) का विवरण डिस्प्ले बोर्ड पर प्रदर्शित करें, जिसका बैकग्राउंड पीला (फॉर्मेट), हिन्दी अक्षर का रंग काला हो। डिस्प्ले बोर्ड चिकित्सालय के मुख्य द्वार के पास प्रदर्शित कराया जाए ` सीएमओ ने कहा कि विगत कुछ समय से यह भी देखा जा रहा कि छह माह से पूर्व निरस्त किये गये दावों (क्लेम) को रद्द (रिवोक) किये जाने का अनुरोध किया जाता है, साचीज से प्राप्त निर्देश के क्रम में ऐसे निरस्त दावों पर नियमानुसार विचार नहीं किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) की अध्यक्षता में गठित जिला शिकायत निवारण समिति (डीजीआरसी) के बैठक में प्रस्तुत किए गए दावा प्रपत्रों पर लिए गए निर्णय पर असंतुष्टि के उपरान्त उच्चस्तर पर राज्य शिकायत निवारण समिति (एसजीआरसी) के समक्ष अग्रिम अपील चिकित्सालय के द्वारा प्रस्तुत की जा सकती है इसके लिए अधिकतम सीमा अवधि 30 दिन है` समिति के समक्ष अक्सर निम्न कमियाँ पायी जाती हैं, जिनका निवारण सरलता से करते हुए योजना का सम्पूर्ण लाभ लिया जा सकता है यथा-

1- मरीज को आईसीयू एचडीयू से ही सीधा डिस्चार्ज करना`

2-हिस्टोपैथोलॉजी एक्जामिन (एचपीई)रिपोर्ट संलग्न न करना`

3-भर्ती व डिस्चार्ज के समय आधार बायो-औथ न करना`

4- समयांतर्गत क्वेरीज अपडेट नहीं करना`

5- एक साथ दो पैकेज सिलेक्ट करना`

6- ओ०पी०डी० के आधार पर उपचार किए जा सकने वाले केस को भी आई०पी०डी० में दिखाना`

7- मरीज का पिछला रिकॉर्ड चेक किए बिना मिलते-जुलते पैकेज में दोबारा अल्प अवधि में ही प्री-औथराइजेशन के लिए आवेदन करना`

इस वजह से समस्त आबद्ध चिकित्सालयों से यह अपेक्षा की जाती है कि कोई भी निरस्त क्लेम जिला तथा राज्य शिकायत निवारण समिति को रद्द करने के लिए प्रेषित करने से पूर्व उपरोक्त बिन्दुओं को ध्यान में रखा जाए। साथ ही सीएमओ ने कहा कि समस्त चिकित्सालयों में आंतरिक परिवाद समिति का गठन किया जाए जिस समिति की अध्यक्ष कोई वरिष्ठ महिला सदस्य नामित हो तथा अध्यक्ष सहित समिति में महिलाओं की संख्या अधिक हो इसके अलावा चिकित्सालय के स्तर पर शिकायत समिति गठित कर लिया जाए` चिकित्सालय के मुख्य द्वार पर शिकायत पेटिका भी लगाई जाए।

संक्षिप्त खबरें

यातायात जागरूकता कार्यक्रम के तहत पुलिस अधीक्षक ने बच्चों को यातायात नियमों की दी जानकारी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज दिनांक 17 नवंबर 2023 को पुलिस अधीक्षक द्वारा यातायात नियमों के प्रति जागरूकता के लिए मीरनपुर सक्का (बुजुर्गा रोड) स्थित एवरग्रीन पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम के तहत बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई तथा उन्हें इन नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। बच्चों द्वारा यातायात नियमों से संबंधित सवाल भी पुलिस अधीक्षक से किया गया जिसका जवाब एसपी द्वारा दिया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न पुलिस हेल्पलाइन नंबरों 112, 1090, 1098, 1076 को वहां उपस्थित छात्र छात्राओं को बताया गया तथा उसके प्रति जागरूक किया गया। एसपी द्वारा साइबर अपराध तथा उससे बचने के उपायों एवं सोशल मीडिया का उपयोग सावधानी पूर्वक करने के लिए भी बच्चों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर क्षेत्राधिकारी नगर, टीएसआई तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थें।

उपजिलाधिकारी ने सल्तनत बहादुर महाविद्यालय में विद्यार्थियों को किया जागरूक

प्रखर बदलापुर/जौनपुर। सल्तनत बहादुर महाविद्यालय बदलापुर जौनपुर में आयोजित कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी अर्चना ओझा ने छात्र-छात्राओं को अधिकारों के प्रति जागरूक किया और सूचित किया कि मतदाता पंजीकरण एवं पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें सभी अर्हता प्राप्त लोग अपना नाम सम्मिलित करा सकते हैं। आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रबंधक श्याम सिंह,प्राचार्य प्रो.सुनील प्रताप सिंह,पूर्व प्राचार्य प्रो.ब्रजेंद्र सिंह ने अपने-अपने संबोधन से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.कर्मचन्द यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ.अभिषेक गौरव,डॉ.पूनम श्रीवास्तव,राजुल सिंह,डॉ.पवन सिंह,कार्यालय अधीक्षक सुनील सिंह,राकेश खरवार,रामजीत, क्षेत्रीय लेखपाल,अन्य राजस्व कर्मचारियों सहित छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

रामचन्द्र महाविद्यालय में जाकर छात्राओं को किया गया जागरूक

बलिया । थाना गड़वार अंतर्गत "श्री रामचन्द्र महाविद्यालय" में छात्राओं को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों से अवगत कराते हुए जागरूक किया गया तथा मजबूती के साथ उनके विरुद्ध होने वाले अपराध का मुखर होकर विरोध करने के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा इस सम्बन्ध में बने हुए कानून व सहायता प्रदान करने वाली विभिन्न संस्थाओं के बारे में बताते हुए टोल फ्री नम्बर - 1090,102,181,1076,1098,108,112,1930 महिला/साइबर हेल्प डेस्क से अवगत कराया गया एवं थाने में बने महिला हेल्प डेस्क की विस्तृत जानकारी दी गई। मिशन शक्ति सम्बंधित पुस्तिकाएं वितरित की गई तथा सरकार द्वारा चलाए गए विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया।

अन्तर्जनपदीय वाहन चोर गैंग के 3 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 3 अदद चोरी की मोटर साईकिल बरामद

बलिया। पुलिस अधीक्षक जनपद बलिया एस0 आनन्द के आदेश के अनुपालन में जनपद में अपराध पर संपूर्ण प्रतिबंध लगाये जाने एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी व क्षेत्राधिकारी रसड़ा मो0 फहीम कुरैशी के कुशल पर्यवेक्षण में थाना उभांव पुलिस को मिली सफलता। उल्लेखनीय है कि आज दिनांक 16.11.2023 को प्रभारी निरीक्षक उभांव श्री डी के श्रीवास्तव के नेतृत्व में उ0नि0 पंकज सिंह मय हमराह के मुखबीर की सूचना पर नरला चट्टी नहर पटरी स्थित ग्राम हल्दीरामपुर में 03 शातिर अन्तर्जनपदीय वाहन चोर 03 अदद चोरी की मोटर साईकिल के साथ गिरफ्तार किये गये जिनका नाम क्रमशः 1. विनीत राजभर पुत्र रामानन्द राजभर निवासी मसुरिया थाना भीमपुरा जनपद बलिया 2. संजीव कुमार पुत्र बब्बन प्रसाद निवासी मकदूमपुर थाना उभांव जनपद बलिया 3. सन्नी गिरी पुत्र नन्दलाल गिरी निवासी सुरजीपुर थाना उभांव जनपद बलिया बताये।

चायनीज मांझा बाइक सवार को किया बुरी तरह घायल बाल-बाल बची जान

प्रखर जौनपुर। चायनीज मांझा को लेकर बिक्री पर रोक है लेकिन फिर भी वह धड़ल्ले से बिक रहा है क्योंकि प्रशासन इसकी बिक्री पर रोक लगाने में सफल नहीं हो पा रहा है। इस प्रकार के तेज मंझे से कई बार हुई घटनाओं के बारे में अपने सुना होगा और यह नवम्बर से जनवरी तक बाजार में तेजी से बिकता भी और इसी समय लोग इसका शिकार भी होते हैं ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया है मिली जानकारी के अनुसार आपको बता दें कि विगत दिनों एक बाइक सवार व्यक्ति चाईनीज मंझे से बुरी तरह से घायल हो गया। सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र अन्तर्गत सिद्दीकपुर में गुलाबी देवी महाविद्यालय के पास बुधवार दोपहर लगभग 2: 30 बजे उस समय हलचल मच गई। जब एक बाइक सवार व्यक्ति चायनीज मांझा में बुरी तरह उलझ गया। और बाइक चला रहे व्यक्ति सड़क किनारे जब तक वह बाइक रोकता तब तक कान, नाक, गाल, में गम्भीर चोट आ गई वहीं पीछे बैठे व्यक्ति की भी गर्दन में चोट आई है। दोनों व्यक्ति की पहचान राजू गुप्ता पुत्र मोती लाल गुप्ता ग्राम मानी खुर्द, मिलिंद साहू पुत्र दिनेश चन्द साहू ग्राम मानी कलां के रूप में हुई। दोनो का कहना है कि शाहगंज की तरफ से जौनपुर जा रहे थे। कि अचानक गुलाबी देवी महाविद्यालय के समीप चायनीज मांझा की चपेट में आ गए। जिससे राजू गुप्ता का बुरी तरह से नाक , कान चेहरे कट गया । आस पास के राहगीरों की मदद से पास के प्राइवेट डॉक्टर के पास ले जाया गया जहा

उसका इलाज हुआ पीछे बैठे बाइक सवार मिलिंद साहू के गले में हलका खरोच आया है। तो वहीं पीड़ित परिवार और आस पास के लोगों ने इस घटना को लेकर प्रशाशन की लापरवाही बरतने की बात कही है चिंता जताया और कहा कि कोई बड़ा हादसा यदि हो जाता तो इसका जिम्मेदार कौन होता प्रशाशन या परिवार जो एक सोचने का विषय है।

किसी को भी हो सकती है करुणा की थकान

कई उपाय हैं जो इस थकान को दूर करने में सहायक हो सकते हैं

प्लाइमाउथ (यूके) (द कन्वरसेशन)। जब दुखद घटनाएं घटती हैं, चाहे वे हमसे कितनी भी दूर क्यों न हों, उन पर ध्यान न दे पाना मुश्किल होता है। हममें से कई लोग इन स्थितियों में फंसे लोगों के प्रति सहानुभूति रखते हैं और सोचते हैं कि हम कैसे इसमें शामिल हो सकते हैं, या क्या हम ऐसे लोगों की मदद के लिए कुछ कर सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों में, हमने महत्वपूर्ण वैश्विक घटनाओं की एक श्रृंखला देखी है, जिनमें कोविड महामारी से लेकर यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के साथ-साथ कई प्राकृतिक आपदाएँ शामिल हैं। जब ऐसा लगा कि हालात और खराब नहीं हो सकते, हमास इस्राइल संघर्ष शुरू हो गया। इतनी सारी त्रासदियों के एक के बाद एक आने के बाद, हममें से कुछ लोग यह महसूस कर रहे होंगे कि दुनियाभर में एक साथ इतना कुछ हो रहा है, हमारे पास देने के लिए कोई सहानुभूति नहीं बची है और हम अपने आस-पास जो चल रहा है उससे दूर हो जाएंगे। यदि आप ऐसा महसूस कर रहे हैं, तो जान लें कि इसका मतलब यह नहीं है कि आपमें दूसरों के प्रति सहानुभूति की कमी है। बल्कि, यह एक संकेत

हो सकता है कि आप सहानुभूति व्यक्त कर कर के थक चुके हैं। करुणा थकान एक तनाव प्रतिक्रिया है जिसके परिणामस्वरूप किसी आपदा के पीड़ित लोगों के प्रति उदासीनता या अलगाव की भावना उत्पन्न होती है। यह घटना स्वास्थ्य देखभाल में विशेष रूप से आम है।

मनोवैज्ञानिकों ने यह भी पाया है कि कुछ विशेष प्रकार के व्यक्तित्व वाले लोगों में करुणा थकान का अनुभव होने का खतरा अधिक हो सकता है। उदाहरण के लिए, जो लोग अपनी भावनाओं को दबाए रखते हैं, लेकिन निराशावाद और चिंता से ग्रस्त होते हैं, वे अधिक संवेदनशील होते हैं। सामाजिक समस्याओं के प्रति सार्वजनिक चिंता की सामान्य असंवेदनशीलता का वर्णन करने के लिए भी इस शब्द का उपयोग तेजी से किया जा रहा है। लेकिन, जैसा कि पत्रकारिता प्रोफेसर सुसान मोएलर ने अपनी पुस्तक कंपैशन फटीग में लिखा है, क्या हम 'अपने आस-पास की दुनिया के बारे में कम परवाह करते हैं' - तब भी जब हम जो समाचार कहानियां और छवियां देखते हैं वे इतनी भयावह और चौंकाने वाली होती हैं? विज्ञान हमें एक स्पष्टीकरण प्रदान करता है, और वह यह है कि करुणा की अधिकता से अवसाद, थकन और भावनाओं का आधिक्य महसूस हो सकता है। करुणा की थकान दूसरों की पीड़ा से उबरने के लिए ''अस्तित्व की रणनीति'' के रूप में कार्य करती है। मीडिया भी इसमें आंशिक रूप से भूमिका निभा सकता है। कई प्रकाशन इस बात से अवगत हैं कि जब संकटों का दौर आता है, तो हमारी चिंता का स्तर कम हो जाता है। इसलिए, लोगों को जोड़े रखने के लिए ऐसी सामग्री का प्रकाशन किया जाता है जो तेजी से ध्यान आकर्षित करे। मोलर के अनुसार, पत्रकार उन घटनाओं को त्याग कर ऐसा करते हैं जिनमें पिछली घटनाओं की तुलना में नाटकीयता या घातकता की कमी होती है, या अपनी कहानियों में अधिक साहसी भाषा और कल्पना का उपयोग करते हैं। ऐसी कई तकनीकें हैं जिनका उपयोग आप इसका सामना करने और इस पर काबू पाने के लिए कर सकते हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं।

स्वीकृति

समाचारों से विमुख महसूस करने के लिए दोषी महसूस न करें। दर्दनाक समाचारों को सुनकर, या परेशान करने वाली छवियों को देखकर व्यथित होना सामान्य बात है। इस मुकाबला करने की तकनीक को परिहार कहा जाता है और यह बताती है कि क्यों हममें से बहुत से लोग परेशान करने वाली चीजों से दूर जाना चाहते हैं। यह जानना और स्वीकार करना कि परिस्थितियों को देखते हुए यह एक सामान्य प्रतिक्रिया है, करुणा की थकान पर काबू पाने का प्रारंभिक कदम है।

सीमाएँ निर्धारित करें

सूचनाओं को निष्क्रिय करके और यह नियंत्रित करके कि आप कब और कितनी बार इसके साथ जुड़ते हैं, समाचार देखना पढ़ना नियंत्रित करें। इससे न केवल करुणा की थकान की भावना में सुधार हो सकता है, बल्कि इसके अन्य लाभ भी हो सकते हैं।

प्रकृति से जुड़ें

प्रकृति में टहलने से तनाव के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। यह करुणा थकान को कम करने में भी मदद कर सकता है, क्योंकि ऊंचा कोर्टिसोल स्तर ('तनाव हार्मोन' के रूप में जाना जाता है) क्रोनिक तनाव, उकताहट और भावनात्मक तनाव से जुड़ा हुआ है - ये सभी करुणा थकान को बढ़ा सकते हैं।

देखभाल करें

पौधों या पालतू जानवरों की देखभाल से सेहत पर गहरा प्रभाव पड़ता है। जीवित चीजों का पोषण व्यक्तिगत संतुष्टि को बढ़ावा देता है, और साथी जानवर नकारात्मक भावनाओं को कम कर सकते हैं, करुणा थकान के कुछ प्रभावों को कम कर सकते हैं।

समाधान का प्रयास करें

दुर्गम मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय उन समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करें जिन्हें आप हल कर सकते हैं। स्वयंसेवा ऐसा करने का एक तरीका हो सकता है। यह बेहतर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य से भी जुड़ा है।दान देने से खुशी और कल्याण भी बढ़ सकता है, जो करुणा थकान के प्रभाव को कम कर सकता है। ये ठोस उपाय करुणा थकान से जुड़ी असहायता को कम कर सकते हैं।

धैर्य रखें

दूसरों की पीड़ा को देखना हमारे शरीर में तनाव प्रतिक्रियाओं को ट्रिगर कर सकता है, जिसमें हृदय गति का तेज़ होना भी शामिल है। यदि आपको लगता है कि समाचार पढ़ते समय आप चिंतित या तनावग्रस्त महसूस कर रहे हैं, तो ध्यान और गहरी साँस लेने जैसी विश्राम तकनीकें मदद कर सकती हैं। भलाई और करुणा में सुधार के लिए प्रेम-करूणा ध्यान विशेष रूप से सहायक हो सकता है।

नाना पाटेकर ने किशोर की पिटाई करने को लेकर मांगी माफी

मुंबई/वाराणसी (आईएएनएस)। नाना पाटेकर द्वारा सेल्फी लेने आए एक किशोर की पिटाई मामले में अभिनेता ने माफी मांगी है। हालांकि यह कथित कृत्य उनकी आगामी फिल्म 'जर्नी' के सीक्वेंस का हिस्सा था। अभिनेता को उनके साथ सेल्फी लेने आए एक लड़के की पिटाई करते हुए देखा गया। जिसके लिए उन्हें काफी आलोचना झेलनी पड़ी। इसको लेकर नाना पाटेकर ने कहा कि वायरल वीडियो का दृश्य वास्तव में फिल्म सीन का हिस्सा था। पाटेकर ने कहा, हमने एक टेक किया ही था कि एक व्यक्ति पीछे से आता है और पूछता है, 'क्या तुम मुझे अपनी टोपी बेचोगे' और मैंने उसे झटका देते हुए कहा, 'ऐसी बकवास बंद करो' और उसे धक्का दे दिया। बाद में फिल्म निर्देशक अनिल शर्मा ने कहा कि उसी दृश्य का

एक और टेक होना चाहिए और जब इसे शूट किया जा रहा था, तो अज्ञात किशोर ने अचानक पीछे से कदम रखा, जैसा कि फिल्म अनुक्रम में इरादा था।

पाटेकर ने शर्मिंदा होते हुए बताया, मुझे लगा कि वह हमारा लड़का है, इसलिए मैंने उसे मारा और कहा 'ऐसी बकवास बंद करो, यहां से चले जाओ' और घबराया हुआ लड़का भाग गया। एक दिन बाद पाटेकर ने उस अज्ञात लड़के से कम से कम तीन बार माफी मांगी। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा अपने प्रशंसकों से प्यार करता हूं और कभी भी ऐसी हरकत करने के बारे में नहीं सोचूंगा। वाराणसी के लोगों की प्रशंसा करते हुए नाना ने कहा कि शूटिंग के दौरान वहां से इतना प्यार और स्नेह मिला।

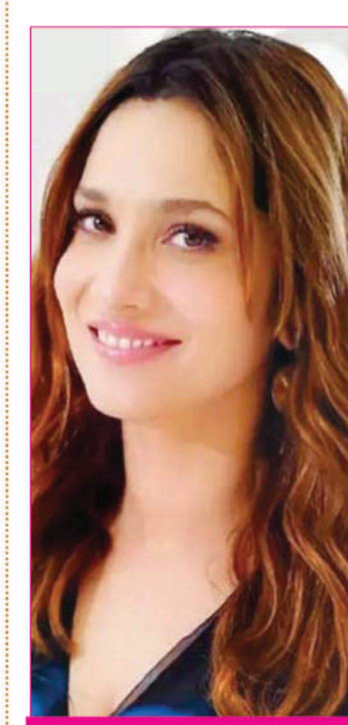

'बिग बॉस 17': अंकिता लोखंडे ने शो में किया प्रेग्नेंसी टेस्ट

मुंबई (आईएएनएस)। बिग बॉस 17' में विक्की जैन के साथ अपने विवाहित जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना कर रही अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने साझा किया कि उनके पीरियड्स मिस हो गए, उन्होंने घर के अंदर गर्भावस्था परीक्षण किया और अब परिणाम का इंतजार कर रही हैं। यह घर बदलने के ठीक बाद हुआ, जहां अंकिता दिल घर में रह गई और विक्की को दिमाग में स्थानांतरित कर दिया गया। इससे उनके रिश्ते में उथल-पुथल मच गई। हालांकि, शो के लेटेस्ट एपिसोड में ये कपल गार्डन एरिया में बैठकर बातचीत करते नजर आया, इसके बाद एक बार फिर से झगड़ा शुरू हो गया। इसके बाद अंकिता ने कहा, मैं थक गई, मैं सच में मानसिक रूप से थक गई। मुझे लग रहा है मैं बीमार हूं, मुझे फीलिंग आ रही है अंदर से। मैं ठीक नहीं हूं। मुझे पीरियड नहीं आ रहा है, मुझे घर जाना है। इसके बाद विक्की ने कहा कि उसने दावा किया कि उसे एक दिन पहले पीरियड्स हो गए, जिस पर अंकिता ने कहा कि वह ब्लड टेस्ट के लिए गई थी।।

डूम्सडे क्लॉक

दुनिया को तबाही के करीब होने की चेतावनी देने वाली घड़ी

लंदन (द कन्वरसेशन)। डूम्सडे क्लॉक, जिसकी सूइयां आधी रात ('प्रलय का दिन') के करीब घूमती हैं, एक प्रतीकात्मक उपकरण है जिसे दुनिया को चेतावनी देने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि यह तबाही के कितने करीब है। ऐसा कहा जाता है कि आधी रात या प्रलय का समय उस बिंदु का प्रतिनिधित्व करता है जब पृथ्वी मानवता के लिए रहने योग्य नहीं रह जाती है।

यह घड़ी शीत युद्ध के शुरुआती दिनों की है। इसे बुलेटिन ऑफ एटॉमिक साइंटिस्ट्स नामक पत्रिका की एक अभिन्न विशेषता के रूप में स्थापित किया गया था। इसकी स्थापना 1947 में मैनहट्टन परियोजना के उन वैज्ञानिकों और इंजीनियरों द्वारा की गई थी जो परमाणु बम के विकास से निकटता से जुड़े थे। वह

अपने द्वारा बनाए गए 'दुनिया के विध्वंसकों' के बारे में चिंतित थे। बुलेटिन में लेख बड़े पैमाने पर परमाणु हथियारों के खतरों को उजागर करने के लिए समर्पित थे - जैसा कि वे आज भी हैं।2023 की शुरुआत में, कयामत की घड़ी की सूइयां घंटे से मात्र 90 सेकंड पर सेट की गई थीं, जो अब तक 'प्रलय' के सबसे करीब थी। इस कदम का कुल मिलाकर कोई एक कारण नहीं है। बेशक, जलवायु परिवर्तन अब मानवता के लिए खतरे का एक प्रमुख कारक है, घड़ी को इसे प्रतिबिंबित करना होगा, और कर रही है। लेकिन, हालांकि, यह अन्य तात्कालिक कारक हैं जिनके कारण बड़े पैमाने पर सुइयों को आगे बढ़ाया गया है।

सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव यूक्रेन में युद्ध और विशेष रूप से 'इसे खत्म करने से पहले बढ़ाने' की रूसी धमकी का रहा है। इस धारणा पर रूस में व्यापक रूप से चर्चा हुई है, जिसमें राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ करीबी संबंध वाले लोग भी शामिल हैं। यहां विचार यह है कि यदि रूसी सेनाएं यूक्रेन में बड़ी हार का सामना करने वाली होंगी, तो वे युद्ध के मैदान पर सामरिक (कम ताकत वाले) परमाणु हथियारों का उपयोग करेंगे (यानी युद्ध को 'बढ़ाने' के लिए)।

छठ गीत गोदी में ललनवा रिलीज

मुंबई,(वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता अरविंद अकेला कल्लू का छठ गीत गोदी में ललनवा रिलीज हो गया है। यह गाना उनके ऑफिशियल यूट्यूब चैनल कल्लू म्यूजिक वर्ल्ड पर रिलीज हुआ है।इस मौके पर कल्लू ने कहा कि छठी मां की भक्ति में इतनी शक्ति है कि वे सबों का दुख हरती हैं। छठ गीत गोदी में ललनवा के म्यूजिक वीडियो में आस्था सिंह हैं। संगीतकर प्रियांशु सिंह और लेखक प्रिंस प्रियदर्शी हैं। वीडियो डायरेक्टर रवि पंडित हैं। संपादक दीपक पंडित हैं। डांस मास्टर विशाल गुप्ता हैं। संकल्पना अरविन्द मिश्रा की है। निर्माता आशु बाबा हैं।

टाइगर 3 ने 150 करोड़ से अधिक की कमाई की

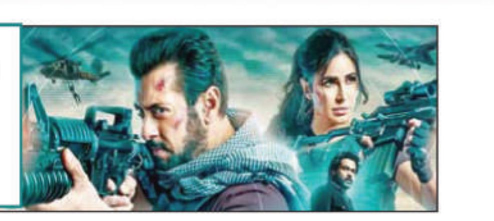

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 ने चार दिनों में 150 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। सलमान खान ,कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी स्टारर फिल्म टाइगर 3 दीवाली के अवसर पर 12 नवम्बर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म में इमरान हाशमी ने विलेन का किरदार निभाया है।'टाइगर 3' ने पहले दिन 44.5 करोड़ रुपए के साथ ओपेनिंग की थी। दूसरे दिन फिल्म ने 59 करोड़ रुपए तीसरे दिन 42.50 करोड़ रुपए कमाए है। वहीं अब चौथे दिन का कलेक्शन के आंकड़े सामने आ गए है। चार दिन मिलाकर टाइगर 3 ने करीब 160 करोड़ की कमाई कर ली है।

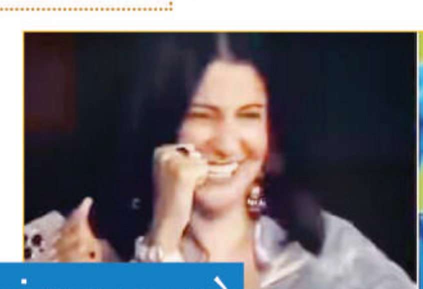

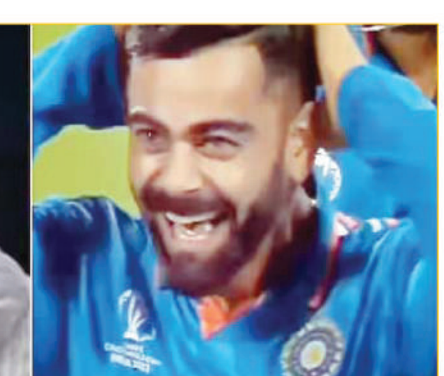

अनुष्का ने विराट के 50वां शतक बनाने पर उन्हें 'ईश्वर की संतान' कहा

मुंबई (भाषा)। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने बृहस्पतिवार को अपने पति विराट कोहली को 'ईश्वर की संतान' करार देते हुए कहा कि उन्हें देखकर वह भगवान के प्रति कृतज्ञ हैं। उन्होंने कहा कि विराट लगातार सफलता प्राप्त कर रहे हैं और वह अपने तथा क्रिकेट खेल के प्रति ईमानदार रहे हैं। विराट कोहली ने बुधवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबले में अपने आदर्श सचिन तेंदुलकर के 49 शतकों का रिकार्ड तोड़ दिया। कोहली अब एकदिवसीय क्रिकेट में 50 एकदिवसीय शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इस मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 70 रन से हराकर शानदार जीत हासिल की। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत की जीत के कुछ घंटों बाद अनुष्का शर्मा ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की। उन्होंने लिखा, 'भगवान सबसे अच्छे पटकथा लेखक है। आपके प्रेम और लगातार आपकी सफलता को बढ़ते देखने और आपने जो हासिल किया और जो करेंगे तथा स्वयं एवं खेल के प्रति सदैव ईमानदार रहने के लिए, मैं ईश्वर के प्रति पूर्णतः कृतज्ञ हूं। आप सच में ईश्वर की संतान हो।' एक अन्य इंस्टाग्राम स्टोरी में अनुष्का ने पूरी भारतीय टीम को जीत की बधाई दी।

करीना कपूर ने कहा

रणबीर की तरह दिखती है 'राहा'

मुंबई (आईएएनएस)। लोकप्रिय चैट शो 'कॉफी विद करण' के नवीनतम एपिसोड में आलिया भट्ट और बॉलीवुड स्टार करीना कपूर खान ने शिरकत की। शो में करीना ने खुलासा किया कि 'राहा' रणबीर की तरह दिखती हैं। आलिया ने कहा कि करीना अकेली हैं, जिन्हें ऐसा महसूस होता है। शो में करण ने सबसे पहले आलिया से राहा के बारे में पूछा, जो इस नवम्बर में एक साल की हो गई हैं। आलिया ने कहा, अक्सर मैं सुबह राहा के साथ बैठती हूं और मैं उससे बात करती हूं कि मैं कैसा महसूस करती हूं और मैं उसके लिए क्या चाहती हूं। आलिया ने यह भी साझा किया कि वह अपने करीबी लोगों को राहा की तस्वीरें दिखाती हैं। करीना ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, राहा रणबीर जैसी दिखती है। तभी आलिया ने कहा, करीना अकेली हैं जो ऐसा महसूस करती हैं। जिस पर करीना ने करण से कहा, लेकिन, वह काफी हद तक रणबीर जैसी दिखती है, जब वह बच्चा था। रणबीर और करीना चचेरे भाई-बहन हैं और वह एक साथ बड़े हुए हैं। हालांकि, आलिया ने कहा कि राहा पूरी तरह से रणबीर की तरह नहीं दिखती हैं। उन्होंने कहाः मुझे लगता है कि राहा में हर किसी का अंश है।

समलैंगिक जोड़ों को चर्च ऑफ इंग्लैंड का समर्थन

लंदन (आईएएनएस)। चर्च ऑफ इंग्लैंड के तहत आने वाले पैरिश समलैंगिक जोड़ों के लिए विशेष सेवाओं की अनुमति देंगे, इसमें अंगूठियां पहनना, प्रार्थनाएं, कंफ़ेटी और पुजारी से आशीर्वाद शामिल होगा, लेकिन औपचारिक शादियां नहीं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक चर्च ऑफ़ इंग्लैंड की आधिकारिक शिक्षा यह है कि विवाह केवल एक पुरुष और एक महिला के बीच होता है। चर्च की विधायी संस्था जनरल सिनॉड में परीक्षण के आधार पर सेवाओं को समर्थन देने का संशोधन बुधवार को एक वोट से पारित हो गया। इसके पारित होने का मतलब है कि सामान्य चर्च सेवा के भीतर केवल प्रार्थनाओं के बजाय आशीर्वाद की विशिष्ट सेवाओं की अनुमति दी जा सकती है। हालांकि अस्थायी परीक्षण सेवाओं को शुरू करने के लिए कोई निर्धारित समय-सीमा नहीं है, लेकिन यह समझा जाता है कि इन्हें नए साल में पहली सेवाओं के साथ आने वाले हफ्तों में अधिकृत किया जा सकता है।

अश्लेषा ठाकुर

24 को रिलीज होगी फिल्म'शांतला'

मुंबई (वार्ता)। अभिनेत्री अश्लेषा ठाकुर की बहुप्रतीक्षित कई भाषाओं में बनी हिंदी फिल्म'शांतला'24 नवम्बर को पैन इंडिया रिलीज होने जा रही है। अश्लेषा ठाकुर को इसके पहले अमेजन प्राइम की वेबसीरिज फैमिली मैन में देखा गया था । फ़िल्म 'शांतला' में वह लीड कैरेक्टर प्ले कर रही है। उनके साथ इस फ़िल्म में निहाल कोढती मुख्य भूमिका में होंगे। मूल रूप से फ़िल्म 'शांतला' तेलुगु में बनी है लेकिन इसे एक साथ कई भाषाओं में रिलीज किया जा रहा है। इंडो अमेरिकन आर्ट्स के बैनर तले बनी फिल्म 'शांतला'के निर्माता डॉक्टर इरैंकि सुरेश है, निर्देशक सेषु पेद्दी रेड्डी, जबकि संवाद लिखे है साई माधव बुर्रा ने । फ़िल्म 'शांतला' में संगीत विशाल चंद्रशेखर ने दिया है वहीं गीत , भास्कर भाटला,श्रीमनी और कृष्ण कांत ने लिखे है।

संक्षिप्त खबरें

इश्यू का मूल्य दायरा तय

नयी दिल्ली। इंजीनियरिंग एवं उत्पाद विकास संबंधी डिजिटल सेवाएं देने वाली कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 475-500 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का आईपीओ 22 नवंबर को बोली के लिए खुलेगा और 24 नवंबर को बंद होगा। एंकर निवेशक 21 नवंबर को बोली लगा सकेंगे। आईपीओ के तहत टाटा मोटर्स 11.4 प्रतिशत, निजी इक्विटी फर्म अल्फा टीसी होल्डिंग्स 2.4 प्रतिशत और टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड-1 1.2 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेंगी।

कारोबार बढ़ाएगी महिंद्रा

मुंबई। महिंद्रा ने अगले पांच वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार को पांच गुना करने की योजना बनाई है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही। महिंद्रा एंड महिंद्रा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अनीश शाह ने कहा कि एक महत्वपूर्ण बदलाव जिसने योजनाओं में बदलाव को प्रेरित किया और वास्तव में उसे बढाने का विकल्प चुना वह इनविट्स की शुरुआत था। फिक्की के एक कार्यक्रम में शाह ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा व्यवसाय के लिए कंपनी ने एक वैश्विक निवेशक के साथ साझेदारी की है।

प्रीपेयर्डनेस सर्वे के नतीजे

नई दिल्ली। बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने बजाज आलियांज लाइफ इंडिया के 'लाइफ गोल्स प्रीपेयर्डनैस सर्वे 2023' के मिलेनियल एडिशनके नतीजे पेश किए हैं। सर्वे से खुलासा हुआ है कि मिलेनियल्स या सहस्त्राब्दी पीढ़ी वर्क-लाइफ बैलेंस, मेंटली और फिजिकली फिटनेस के साथ ट्रैवल पर जोर दे रहे हैं। यात्रा का रोमांच उनके शीर्ष जीवन लक्ष्य के रूप में शामिल है। बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर चंद्रमोहन मेहरा ने कहा,'मिलेनियल्स एक कार्य-जीवन संतुलन और समग्र खुशहाली भरा जीवन जीने की आकांक्षाओं से भरे हुए हैं।

लीव एसवाईटी को कोष मिला

नई दिल्ली। एसएएएस-आधारित निर्माण प्रबंधन सॉफ्टवेयर के अग्रणी प्रदाता, लीव एसवाईटी ने अपने फंडिंग के शुरुआती दौर में सफलतापूर्वक 2.5 मिलियन डालर जुटाने की घोषणा की है, जिससे अब तक कुल 4.5 मिलियन डालर की फंड वृद्धि हुई है। निवेश का यह दौर (2.5 मिलियन डालर) अमेरिका स्थित एसवी क्वाड और इन्वेंटस कैपिटल से आता है, जो अमेरिकी बाजार में लीव एसवाईटी के विस्तार और नए एआई/एमएल उपयोग-मामलों की खोज के लिए मंच तैयार करता है। पूंजी के इस निवेश के साथ, लीव एसवाईटी वैश्विक निर्माण उद्योग में जबरदस्त विकास क्षमता का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है।

वर्ष 2025-26 तक 7.1% पर होगी जीडीपी की रफ्तार

■ प्रमुख रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने जारी किया नया अनुमान ■ कुल एडवांस के साढ़े तीन फीसद पर आएगा फंसा कर्ज

नई दिल्ली (भाषा)। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं मध्यम अवधि में मजबूत रहने का अनुमान जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 से लेकर 2025-26 तक देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सालाना 6-7.1 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि स्वस्थ कॉरपोरेट बही-खातों और अन्य संरचनात्मक सुधार होने से बैंकों का फंसा कर्ज मार्च, 2025 तक कुल अग्रिम के तीन-3.5 प्रतिशत तक घट जाएगा। इसके अलावा भारत में ब्याज दरों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना नहीं होने से बैंकिंग उद्योग के लिए जोखिम भी सीमित होने का अनुमान जताया गया है।

एसएंडपी की प्राथमिक ऋण विश्लेषक दीपाली सेठ छाबड़िया ने कहा, 'असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण तेजी से बढे हैं और यह फंसे कर्जों की वृद्धि में भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन हमारा मत है कि खुदरा ऋण के लिए अंडरराइटिंग के मानक आमतौर पर अच्छे रहते हैं और इस उत्पाद श्रेणी के लिए चूक का समग्र स्तर स्वीकार्य सीमा के भीतर रहता है।'

रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक अनिश्चितताओं का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कम असर पड़ेगा। हालांकि, धीमी वैश्विक वृद्धि और बाहरी मांग आर्थिक गतिविधियों पर असर डालेगी और मुद्रास्फीति को तेज कर सकती है। लेकिन भारत की वृद्धि घरेलू स्तर पर केंद्रित होने से उम्मीद है कि आर्थिक वृद्धि पर इसका कम असर होगा।

एसएंडपी ने कहा, 'आर्थिक वृद्धि की गति जारी रहेगी। भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं मध्यम अवधि में मजबूत रहनी चाहिए। वित्त वर्ष 2024-2026 में जीडीपी में सालाना 6-7.1 प्रतिशत की वृद्धि होगी।'

अप्रैल-जून, 2023 की तिमाही में भारत का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत बढ़ा है। जनवरी-मार्च तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 और उसके बाद 2024-25 के लिए 6.5 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि का अनुमान लगाया है।

रुपया 14 पैसे कमजोर होकर 83.23 प्रति डॉलर पर

मुंबई (भाषा)। विदेशी कोषों की निकासी के बीच विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे कमजोर होकर 83.23 (अस्थायी) के भाव पर आ गया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी आने से डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट को कुछ हद तक थामने में मदद मिली।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले गिरावट के साथ 83.18 के भाव पर खुला। कारोबार के दौरान रुपया 83.17 से लेकर 83.25 के दायरे में रहा।

नरम पड़ी महंगाई पर लंबा सफर बाकी

■ रिजर्व बैंक के ताजा बुलेटिन में कहा गया, वैश्विक अर्थव्यवस्था में मिल रहे हैं नरमी के संकेत

खास बातें

- ■ सेवा क्षेत्र की रफ्तार थमेगी
- ■ वित्तीय रुख कड़ा करने में खासा जोखिम
- ■ त्योहारी मांग बेहतर रहने से बढ़ेगी जीडीपी
- ■ मजबूत बनी है निवेश मांग
- ■ मौद्रिक कदमों से महंगाई घटी
- ■ मुश्किल वक्त से बाहर निकलने में अभी समय लगेगा

मुंबई (भाषा)। मौद्रिक नीति उपायों और आपूर्ति के मोर्चे पर हस्तक्षेप के कारण खुदरा मुद्रास्फीति में कमी आई है लेकिन हम अब भी मुश्किलों से बाहर नहीं निकले है और अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। भारतीय रिजर्व बैंक के बृहस्पतिवार को जारी नवम्बर महीने के बुलेटिन में यह बात कही गई है।

बुलेटिन में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर एक लेख में यह भी कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था चालू तिमाही में नरम पड़ने के संकेत दे रही है। विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट आई है। साथ ही ऐसा लग रहा है कि सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में महामारी के बाद जो तेजी थी, वह अपने समापन पर पहुंच गई है। इसमें यह भी कहा गया है कि वित्तीय स्थितियों को कड़ा करना वैश्विक परिदृश्य के लिए महत्वपूर्ण जोखिम है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा की अगुवाई वाली टीम द्वारा लिखे गए इस लेख में कहा गया है, 'त्योहारों के दौरान मांग बेहतर रहने से भारत में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि 2023-24 की तीसरी तिमाही में तिमाही आधार पर अधिक रहने की उम्मीद है।' लेख में कहा गया है कि सरकार के बुनियादी ढांचे पर खर्च, निजी पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी, स्वचालन, डिजिटलीकरण और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलने से निवेश मांग मजबूत बनी हुई है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित हेडलाइन (कुल) मुद्रास्फीति का जिक्र करते हुए इसमें कहा गया है कि मौद्रिक नीति उपायों और आपूर्ति मोर्चे पर हस्तक्षेप के कारण से महंगाई नरम पड़ी है।

वित्त वर्ष 2022-23 के पहले सात महीनों में कुल मुद्रास्फीति में तेजी आई थी। वास्तव में पिछले साल नवम्बर पहला महीना था जब मुद्रास्फीति आरबीआई के संतोषजनक दो से छह प्रतिशत के दायरे में आई। लेखकों ने लिखा है, 'हम मुश्किलों से बाहर नहीं निकले है और हमें अभी लंबा सफर तय करना है। लेकिन सितम्बर में खुदरा मुदरास्फीति के लगभग पांच प्रतिशत और अक्टूबर में 4.9 प्रतिशत पर रहना एक राहत की बात है। यह 2022-23 में 6.7 प्रतिशत और चालू वित्त वर्ष में जुलाई-अगस्त के दौरान 7.1 प्रतिशत पर पहुंच गयी थी।

आरबीआई ने साफ कहा है कि कि लेख में व्यक्त विचार लेखकों के है और केंद्रीय बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते है। लेख में आगे कहा गया है कि देश का बाह्य क्षेत्र मजबूत हुआ है। चालू खाते का घाटा नरम है जबकि विदेशी मुद्रा भंडार बेहतर स्थिति में है। इसमें कहा गया है कि वृद्धि की गति तेज हुई है। इससे सकल घरेलू उत्पाद महामारी-पूर्व स्तर से ऊपर पहुंच गया है और बाजार विनिमय दरों पर भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

यूको बैंक ने कुछ खातों में गलती से जमा 79% रकम वसूली

नई दिल्ली (भाषा)। यूको बैंक ने तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) के जरिए बैंक के कुछ खातों में गलती से जमा की गई 820 करोड़ की रकम में से 649 करोड़ रुपये या 79 प्रतिशत राशि को वापस हासिल कर लिया है।

यूको बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि विभिन्न सक्रिय कदम उठाकर बैंक ने प्राप्तकर्ताओं के खातों पर रोक लगा दी और 820 करोड़ रुपये में से 649 करोड़ रुपये वापस हासिल करने सक्षम रहा। यह कुल राशि का करीब 79 प्रतिशत है। बैंक ने 171 करोड़ रुपये की शेष राशि की वसूली के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आवश्यक कार्रवाई के लिए मामले की सूचना कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भी दे दी गई है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह तकनीकी खराबी मानवीय त्रुटि के कारण हुई या 'हैकिंग' के प्रयास के कारण। गौरतलब है कि आईएमपीएस मंच का संचालन नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा किया जाता है।

एयर पैसेंजर 11% बढ़े

नई दिल्ली (भाषा)। देश में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या अक्टूबर माह में सालाना आधार पर लगभग 11 प्रतिशत बढ़कर 1.26 करोड़ हो गई। बृहस्पतिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

अक्टूबर, 2022 में घरेलू मार्गों पर हवाई यात्रियों की संख्या 1.14 करोड़ रही थी, जबकि सितम्बर, 2023 में यह आंकड़ा 1.22 करोड़ यात्रियों का था। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के इन आंकड़ों से पता चलता है कि इंडिगो ने अक्टूबर महीने में 79.07 लाख यात्रियों की आवाजाही की। इस तरह घरेलू विमानन बाजार में इंडिगो की हिस्सेदारी 62.6 प्रतिशत हो गई, जो सितम्बर की 63.4 प्रतिशत हिस्सेदारी से थोड़ी कम है।

पिछले महीने एयर इंडिया की घरेलू हिस्सेदारी बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गई जबकि सितंबर में यह 9.8 प्रतिशत थी। वहीं विस्तारा और एयरएशिया इंडिया (परिवर्तित नाम एआईएक्स कनेक्ट) की बाजार हिस्सेदारी अक्टूबर में घटकर क्रमशः 9.7 प्रतिशत और 6.6 प्रतिशत रह गई।

ईशा को जियो फाइनेंशियल का निदेशक बनाने की मंजूरी

नई दिल्ली (भाषा)। रिलायंस समूह की कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने ईशा अंबानी और दो अन्य लोगों को कंपनी का निदेशक बनाए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है।

जियो फाइनेंशियल ने शेयर बाजारों को इसकी सूचना दी। इसके मुताबिक, रिजर्व बैंक ने 15 नवम्बर, 2023 को जारी पत्र में ईशा अंबानी, अंशुमान ठाकुर और हितेश कुमार सेठिया को कंपनी का निदेशक नियुक्त किए जाने पर अपनी स्वीकृति दे दी है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग एक स्वतंत्र कंपनी के रूप में कुछ महीने पहले ही शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई है।

शेयरों में रिटेल इन्वेस्टर्स बढ़े : चौहान

■ अपनी व्यक्तिगत संपत्ति सिर्फ म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं एनएसई प्रमुख

मुंबई (भाषा)। एनएसई के मुख्य कार्यकारी एवं प्रबंध निदेशक आशीष कुमार चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ रही है और समूह एक मजबूत ताकत बन गया है। चौहान ने साथ ही कहा, 'प्रत्यक्ष इक्विटी निवेश भी सही है।' हालांकि, एनएसई प्रमुख ने तुरंत यह जानकारी भी दी कि वह अपनी व्यक्तिगत संपत्ति केवल म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, प्रत्यक्ष इक्विटी भागीदारी में नहीं।

अधिक जोखिम वाले वायदा एवं विकल्प खंड में खुदरा निवेशकों की भूमिका पर बढ़ती चिंताओं के बीच चौहान ने एक डाटा पेश किया जिसके अनुसार अक्टूबर में बाजार में कुल कारोबार 'प्रीमियम' का केवल 0.3 प्रतिशत एक लाख रुपये से कम था। उन्होंने कहा कि कोई भी राय बनाने से पहले आंकडों को देखने की जरूरत है, न कि मान्यताओं से प्रेरित होने की। उन्होंने कहा कि खुदरा निवेशकों के पास अब 60 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है, जो बाजार में सभी निवेशकों की कुल संपत्ति का करीब पांचवां हिस्सा है। चौहान ने कहा कि समूह अब एक 'बड़ी ताकत' बन गया है। इसने 2023 में 28 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया, जो कि बड़े निवेशकों के कुछ अन्य समूहों की तुलना में काफी अधिक है।

वर्तमान में एनएसई में पंजीकृत निवेशक भारत के 99.85 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र से आते हैं। वर्तमान में केवल 33 पिनकोड को बाहर रखा गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शेष को भी जल्द ही इसमें शामिल किया जाएगा।

कारपोरेटनामा

व्यापार मेले में एलआईसी का स्टाल

नई दिल्ली (वि.)। प्रगति मैदान में चल रहे 42वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में भारतीय जीवन बीमा निगम के स्टाल का शुभारंभ निगम के कार्यकारी निदेशक आदित्य गुप्ता ने किया। इस मौके पर उत्तर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक जेपीएस बजाज समेत कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। चौदह दिन तक चलने वाले इस मेले में निगम के स्टाल पर आने वाले आगन्तुकों को निगम की पालिसियों से संबंधित सभी जानकारियों के साथ-साथ निगम के एजेंट के रूप में अपना कैरियर बनाने संबंधित जानकारी भी दी जा रही है। इसके अलावा स्टाल पर निगम की ई सर्विस एवं आनलाइन सेवाओं की जानकारी भी प्रदान की जा रही है। गौरतलब है कि इस वर्ष एलआईसी अपनी 67वीं वर्षगांठ मना रहा है। निगम ने हमेशा ही देश के एक प्रमुख वित्तीय संस्थान के रूप में सभी बीमा योग्य लोगों तक किफायती दरों पर जीवन बीमा के संदेश को प्रचारित करने में अहम योगदान दिया है और बदलती जरूरतों के अनुरूप नए-नए उत्पाद भी पेश किए हैं। ग्राहक पालिसियों से संबंधित जानकारी के लिए निगम की वेबसाइट पर जाकर एलआईसी मित्र की सहायता ले सकते हैं। इसके अलावा 022-68276827 पर फोन करके भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पालिसीधारक व्हाट्सऐप नंबर 8976862090 पर मैजेस करके अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

एसजेवीएन का ई-रिवर्स आक्शन संपन्न

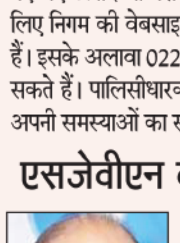

नई दिल्ली (वि.)। नवीकरणीय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसी (आरईआईए) के रूप में एसजेवीएन ने भारत में ऊर्जा भंडारण प्रणाली के साथ 1500 मेगावाट विद्युत परियोजनाओं के निर्माण के लिए के लिए नवीकरणीय ऊर्जा निर्माताओं के चयनार्थ प्रथम ई-रिवर्स आक्शन (ई-आरए) को सफलतापूर्वक संपन्न किया है। इस मौके पर एसजेवीएन सीएमडी नन्द लाल शर्मा ने कहा कि पूरे भारत में ऊर्जा भंडारण के साथ अंतरराज्यीय पारेषण प्रणाली से जुड़ी नवीकरणीय परियोजनाओं से 1500 मेगावाट विद्युत की आपूर्ति के लिए एसजेवीएन की नीलामी में नौ कंपनियों ने भाग लिया। उनमें से सात कंपनियों को उनके द्वारा अपेक्षित क्षमता की परियोजनाएं लगभग 4.38/- रुपए प्रति यूनिट के टैरिफ पर हासिल हुई। सफल बोलीदाताओं में एसीएमई, जूनीपर और टाटा पावर शामिल है। नन्द लाल शर्मा ने आगे कहा कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा की खरीद के लिए प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया हेतु एसजेवीएन को मध्यस्थ क्रेता/नवीकरणीय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसी (आरईआईए) के रूप में नामित किया है। एसजेवीएन एसईसीआई, एनटीपीसी और एनएचपीसी के अतिरिक्?त चतुर्थ नवीकरणीय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसी है। शर्मा ने आगे कहा कि, वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन सोतों से 500 गीगावॉट स्थापित विद्युत क्षमता हासिल करने की प्रधानमंत्री की घोषणा के अनुरूप सरकार ने आगामी पांच वर्षों यथा वित्तीय वर्ष 2023-24 से वित्तीय वर्ष 2027-28 तक प्रतिवर्ष 50 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लिए बोलियां आमंत्रित करने का निर्णय लिया है।

एसआरएम की प्रवेश परीक्षा

नई दिल्ली (वि.)। एसआरएम इंस्टीट्यूट आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने बी.टेक/ एम.टेक (एकीकृत) प्रवेश परीक्षा 'एसआरएमजेईईई 2024' के लिए आनलाइन आवेदन मांगे हैं। एसआरएमजेईईई में अर्हता प्राप्त करने से कट्टनकु लथुर, रामापुरम, दिल्ली-एनसीआर गाजियाबाद, वाडापलानी और त्रिची में स्थित एसआरएम के सभी परिसरों में प्रवेश मिलता है। साथ ही सोनीपत-हरियाणा में एसआरएम विश्वविद्यालय और आंध्र प्रदेश में एसआरएम विश्वविद्यालय के लिए भी प्रवेश मिलता है। संस्थान की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि प्रवेश के इच्छुक छात्र www.srmist.edu.in वेबसाइट पर अधिक जानकारी हासिल कर सकते हैं। अनालाइन प्रवेश परीक्षा अप्रैल और जून में आयोजित होगी।

इरेडा का इश्यू 21 को खुलेगा

नई दिल्ली (वि.)। भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) का 2150 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 नवम्बर को खुलेगा। कंपनी की ओर से यहां जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि इसके लिए प्रति शेयर 30-32 रुपये का मूल्य दायरा तय किया गया। निर्गम 23 नवम्बर को बंद होगा। पिछले साल मई में जीवन बीमा निगम के आईपीओ के बाद यह किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम द्वारा पहला सार्वजनिक निर्गम होगा। इरेडा मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर लगभग 1,290 करोड़ रुपये जुटाने के लिए 40.31 करोड़ नए शेयर जारी करेगा। इसके अलावा, भारत सरकार जो वर्तमान में एकमात्र शेयरधारक है, 860 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बिक्री प्रस्ताव (ओएफएस) में 26.88 करोड़ शेयरों की पेशकश करेगी।

माल्को ने सऊदी में तांबा इकाई लगाई

नई दिल्ली (भाषा)। वेदांता की इकाई माल्को एनर्जी लिमिटेड ने 1,00,000 सऊदी रियाल (22.19 लाख रुपये) के निवेश से तांबे के कारोबार के लिए सऊदी अरब में एक नई इकाई स्थापित की है। धातु एवं खनन दिग्गज कंपनी वेदांता ने बीएसई को दी जानकारी में कहा, 'कंपनी के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी माल्को एनर्जी लिमिटेड ने 'वेदांता कॉपर इंटरनेशनल वीसीआई कंपनी लिमिटेड' के नाम से एक नई पूर्ण स्वामित्व वाली अनुंषगी कंपनी निगतिम की है।' कंपनी के अनुसार, वेदांता कॉपर इंटरनेशनल वीसीआई कंपनी लिमिटेड को नए भौगोलिक क्षेत्रों में वृद्धि के अवसर तलाशने के लिए स्थापित किया गया है।

पावरग्रिड में सतर्कता जागरूकता सप्ताह

नई दिल्ली (वि.)। पावरग्रिड उत्तरी क्षेत्र द्वारा 30 अक्टूबर से 05 नवम्बर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन कंपनी के फरीदाबाद स्थित क्षेत्रीय मुख्यालय में किया गया। इस दौरान संस्थान में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने अत्यन्त उत्साह के साथ हिस्सा लिया एवं साथ ही केंद्रीय सतर्कता आयोग के इस वर्ष की थीम 'भ्रष्टाचार का विरोध करें।' राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें हैं' को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। मुख्य अतिथि, शरद कुमार, डी.आई.जी, सी.आई.एस.एफ ने समारोह में अपनी उपस्थिती से शोभा बढ़ाई। ए.के. मिश्रा, कार्यपालक निदेशक (उत्तरी क्षेत्र-) ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया । ए.के. मिश्रा, कार्यपालक निदेशक, उ.क्षे ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 मनाए जाने के महत्व पर प्रकाश डाला एवं कहा कि सतर्कता जागरूकता जो कि भारत के लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती से जुड़ा है, जो अब तक शासन व्यवस्था में भारतीय परंपराओं के उत्कृष्ट मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने साथ ही इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए समाज के प्रति नैतिक जिम्मेदारियों के निर्वाहन हेतु पारदर्शिता, निष्पक्षता, सत्यनिष्ठा एवं जवाबदेही को अपनाने एवं भ्रष्टाचार के निर्मूलन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता लाने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में डिजिटलीकरण को बृहद स्तर पर अपनाया जाना चाहिए। मुख्य अतिथि शरद कुमार ने अपने भाषण में नैतिकता, अनुशासन, सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता पर ज़ोर दिया।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन उछाल आने से सेंसेक्स 306 अंक चढ़ा

■ कारोबार के दौरान 682 अंक तक चढ़ा था सेंसेक्स

मुंबई (भाषा)। स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 306 अंक चढ़ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह और आईटी शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी रही। अमेरिका में महंगाई दर में उम्मीद से ज्यादा कमी आने और बान्ड प्रतिफल में गिरावट से शेयर बाजार की धारणा मजबूत हुई है।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 306.55 अंक यानी 0.47 प्रतिशत चाढ़ कर 65,982.48 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 682.44 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 89.75 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,765.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फिनसर्व में प्रमुख रूप से तेजी रही।

दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, आईटीसी और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'घरेलू बाजार लगातार दूसरे दिन सकारात्मक दायरे में है। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख का असर यहां देखने को मिल रहा है। अमेरिका में मुद्रास्फीति का आंकड़ा उम्मीद से अधिक नरम होने और बॉन्ड प्रतिफल में कमी से इस बात की उम्मीद बंधी है कि प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में खर्च बढ़ेगा।' उन्होंने कहा, 'निवेशक समझ रहे हैं कि आईटी और औषधि जैसे निर्यात आधारित क्षेत्र आने वाले समय में लाभ में हो सकते हैं। इसके अलावा मुद्रास्फीति में कमी से उपभोक्ता एवं अन्य क्षेत्रों को भी लाभ होगा।' एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। अमेरिकी बाजार बुधवार को बढ़त में रहे थे।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.54 प्रतिशत घटकर 80.74 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक बुधवार को शुद्ध लिवाल रहे।

भारत के पास 12 साल बाद खिताब जीतने का मौका
चौथी बार खेलेगा वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम ने वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने न्यूजीलैंड को 70 रन से हराकर आखिरी मुकाबले के लिए अपना टिकट बुक कराया है। वनडे विश्व कप के इतिहास में यह चौथा मौका होगा जब भारतीय टीम फाइनल में खेलेगी।

टीम 19 नवंबर को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खिताबी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के साथ खेला जाएगा। टीम ने आखिरी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ट्रॉफी 2013 में जीती थी। टीम के पास 12 साल बाद विश्व कप जीतने का भी मौका है।

1983 : पहली बार फाइनल में

भारतीय टीम ने पहली बार वनडे विश्व कप 1983 में फाइनल मैच खेला था। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ खेलते हुए भारतीय टीम ने वह मुकाबला 43 रन से जीता था। पहले बल्लेबाजी करते हुए कपिल देव की टीम ने सिर्फ 183 रन बनाए थे। जवाब में वेस्टइंडीज टीम 140 रन पर ही ऑलआउट हो गई। 12 रन देकर 3 विकेट लेने वाले मोहिंदर अमरनाथ 'प्लेयर ऑफ द मैच' बने थे। अमरनाथ ने मैच में 26 रन भी बनाए थे।

दो विश्व कप में सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद हार गई थी टीम

फाइनल मुकाबले के लिए अहमदाबाद पहुंची टीम

होटल से निकलने से लेकर बस में बैठने तक फैंस ने टीम को घेर रखा था। टीम इंडिया की इस ऐतिहासिक जीत पर फैंस भी काफी गदगद थे। होटल0 में हजारों फैंस जमा थे। बता दें हर मैच में फैंस का टीम इंडिया को भरपूर सपोर्ट मिल रहा। अब टीम फाइनल के लिए अहमदाबाद पहुंच चुकी है।

पिछले 2 विश्व कप में टीम सेमीफाइनल में हारी

भारतीय टीम पिछले 2 विश्व कप से सेमीफाइनल में हारती आ रही थी। पहले साल 2015 में ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें हराया और इसके बाद साल 2019 के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को मात दी थी। 2015 के विश्व कप में धोनी कप्तान थे और 2019 में विराट कोहली के हाथों में कमान थी। टीम ने आखिरी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ट्रॉफी 2013 में जीती थी। टीम के पास 12 साल बाद विश्व कप जीतने का भी मौका है।

2003 : दूसरी बार फाइनल में

वर्ष 1983 के बाद भारतीय टीम 20 साल तक क्रिकेट के मेगा टूर्नामेंट के फाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। साल 2003 के विश्व कप में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में जगह बनाई, जहां उसका सामना ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम से हुआ था। भारतीय टीम को उस मुकाबले में 125 रन से हार मिली थी। ऑस्ट्रेलिया ने रिकी पोंटिंग (140) के शतक के मदद से 359 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम 234 रन ही बना पाई थी।

2011 : तीसरी बार फाइनल में
28 साल बाद जीता खिताब

भारतीय टीम 2003 के बाद साल 2011 के फाइनल में पहुंची और 28 साल बाद खिताब भी अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में श्रीलंका क्रिकेट टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 274 रन बनाए थे। जवाब में महेंद्र सिंह धोनी और गौतम गंभीर की शानदार पारियों के दम पर भारतीय टीम को जीत मिली थी। युवराज सिंह ने उस टूर्नामेंट में 362 रन बनाए थे और 15 विकेट झटके थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था।

फुटबॉल...

इजराइल-स्विट्जरलैंड के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ

फेल्कसट। इजराइल और स्विट्जरलैंड के बीच यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप का हंगरी में खेला गया क्वालीफाइंग मैच 1-1 से बराबर रहा। इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध के कारण तेल अवीव में होने वाली सभी खेल प्रतियोगिताओं को स्थगित कर दिया गया था। इस कारण इजराइल को अपने घरेलू मैच हंगरी में खेलने पड़ रहे हैं। इजराइल अगर क्वालीफाई करता है तो यह 1994 में यूरोपीय फुटबाल महासंघ का हिस्सा बनने के बाद पहला अवसर होगा जब वह यूरोपीय चैंपियनशिप में खेलेगा। बुधवार को खेले गए इस मैच के बाद इजराइल यूरो 2024 के क्वालीफाइंग के ग्रुप आई में स्विट्जरलैंड और रोमानिया के बाद तीसरे स्थान पर बना हुआ है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम जर्मनी में होने वाली प्रतियोगिता के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी। इजराइल अपना दूसरा घरेलू मैच शनिवार को इसी मैदान पर रोमानिया के खिलाफ खेलेगा।

भारत की आक्रामकता से हैरानी नहीं हुई

मुंबई। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने कहा कि विश्व कप सेमीफाइनल में भारत को शुरू से ही आक्रामक क्रिकेट खेलते हुए देखकर उन्हें हैरानी नहीं हुई। मिचेल न्यूजीलैंड की हार के बाद संवाददाताओं से कहा, 'उन्होंने पूरे विश्व कप में इसी तरह की क्रिकेट खेली है। भारत जिस तरह का प्रदर्शन कर रहा है उसके प्रति वह पूरी तरह से समर्पित है। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है। उनका सामना करने के लिए हमारे पास अपनी रणनीति थी लेकिन श्रेय उन्हें जाता है। उन्होंने बहुत अच्छा खेल दिखाया।'

रोहित वास्तव में भारतीय टीम के असली नायक

मुंबई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने मौजूदा विश्व कप में बेफिक्र क्रिकेट खेलकर भारतीय टीम की संस्कृति बदलने के लिए कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें टीम का असली नायक करार दिया। हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, 'कल की सुर्खियां विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और मोहम्मद शमी को लेकर होगी, लेकिन भारतीय टीम का वास्तविक नायक रोहित शर्मा है, जिसने इस भारतीय टीम की संस्कृति को बदल दिया है।' भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में आक्रामक बल्लेबाजी की है और कप्तान रोहित ने हर मैच के शुरू में ही ताबड़तोड़ रन बनाकर टीम के लिए शानदार मंच तैयार किया है।

खबर संक्षेप

वर्ल्ड कप फाइनल में मुख्य अतिथि हो सकते हैं मोदी

नई दिल्ली। भारत में इन दिनों खेला जा रहा वनडे विश्व कप 2023 अब

समाप्ति की ओर अग्रसर है। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 19 नंवबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टूर्नामेंट के फाइनल में मुख्य अतिथि हो सकते हैं। हालांकि अभी इस खबर की पुष्टि पीएमओ से नहीं हुई है।

निशानेबाजी महासंघ ने बोनस अंक घटाया

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राइफल महासंघ 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी चयन नीति में एक बड़ा संशोधन करते हुए 'फायर-आर्म' श्रेणी में ओलंपिक कोटा विजेताओं के लिए केवल दो बोनस अंक और

'एयर गन' निशानेबाजों को एक बोनस अंक देने का प्रावधान रखा है। इससे पहले ओलंपिक कोटा विजेता को विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने पर 10 बोनस अंक मिलते थे, जबकि चौथे स्थान पर रहने वाले को पांच अंक मिलते थे। इसी तरह विश्व कप में स्वर्ण पदक विजेता को छह, रजत पदक विजेता को चार और कांस्य पदक विजेता को दो बोनस अंक दिए जाते थे।

गोल्फ टूरः नेहा ने बनाई चार शॉट की बढ़त

कोलकाता। नेहा त्रिपाठी ने हीरो वीमेन प्रो गोल्फ टूर के दूसरे दौर में गुरुवार को यहां एक ओवर 73 का कार्ड खेलने के बाद तालिका में शीर्ष पर चार शॉट की बढ़त बना ली। पहले दौर में 72 का कार्ड खेलने वाली नेहा ने दूसरे दौर में के शुरुआत में डबल बोगी कर बैठी लेकिन उन्होंने इससे उबर कर अच्छी वापसी की। इस सत्र में दो खिताब जीतने वाली नेहा का कुल स्कोर एक ओवर 145 है।

पाकिस्तान के टीम निदेशक बने हफीज

कराची। पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज को पाकिस्तान क्रिकेट टीम का टीम निदेशक नियुक्त किया गया है और

उन्होंने कहा कि मिलकर काम करने से वे अच्छे परिणाम हासिल कर सकते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के विश्व कप के लीग चरण से बाहर होने के बाद हफीज को अब टीम को नया स्वरूप देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरी बार होगी वनडे विश्व कप के लिए खिताबी जंग

मुकाबला रविवार, 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

वनडे विश्व कप 2023 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया टीम ने फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां उसका मुकाबला भारतीय क्रिकेट टीम से होगा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें वनडे विश्व कप के इतिहास में दूसरी बार आमने-सामने होंगी। पहली बार दोनों टीमें 2003 संस्करण में एक-दूसरे से भिड़ी थीं, तब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया था। ऑस्ट्रेलिया 8वीं बार फाइनल में पहुंचा है।फाइनल मुकाबला रविवार, 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

ऐसा रहा मैच का लेखा-जोखा

दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवरों में 10 विकेट खोकर 212 रन बनाए थे। टीम की ओर से डेविड मिलर (101) ने सबसे ज्यादा रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करने मैदान में उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम ने 47.2 ओवर में 7 विकेट खोकर और 215 रन बनाते हुए जीत हासिल कर ली। कंगारूओं के लिए ट्रैविस हेड ने सर्वाधिक 62 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका से तबरेज शम्सी और गेराल्ड कोएट्जी ने 2-2 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने ऐसे किया लक्ष्य का पीछा

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद शानदार रही और पहले विकेट के लिए डेविड वार्नर और हेड ने 60 रन जोड़े। हालांकि, इस जोड़ी के टूटते ही टीम लड़खड़ाती हुई नजर आई और नियमित अंतराल में कुछ विकेट गंवाए। वार्नर (29), मिचेल मार्श (0), मार्नस लाबुशेन (18) और ग्लेन मैक्सवेल (1) जल्दी आउट हो गए। अनुभवी स्टीव स्मिथ ने 62 गेंदों का सामना करते हुए 30 रन बनाए। जोश इंग्लिश ने उपयोगी 28 रन बनाए।

मिलर का इस विश्व कप में पहला शतक

दक्षिण अफ्रीका के मध्य क्रम के बल्लेबाज डेविड मिलर ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 116 गेंदों में 101 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 8 चौके और 5 छक्के निकले। यह मिलर के वनडे क्रिकेट करियर का छठा शतक और इस विश्व कप में उनका पहला शतक रहा।

हेड ने जमाया वनडे करियर का 16वां अर्धशतक

ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज हेड ने एक बार फिर आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 48 गेंदों में 62 रन बनाए। इस विश्व कप में यह उनकी दूसरी 50 प्लस की पारी रही। हेड के वनडे क्रिकेट करियर का यह 16वां अर्धशतक रहा। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 109 रन बनाए थे। उन्होंने 9 चौके और 2 छक्के भी जमाए।

स्कोर बोर्ड

आस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4	6
ट्रेविस हेड बो महाराज	62	48	9	2
डेविड वार्नर बो मार्कराम	29	18	1	4
मार्श का वान डर डुसेन बो रबाडा	00	06	0	0
स्टीवन का डिकॉक बो कोएत्जी	30	62	2	0
मार्नस लाबुशेन पगबाधा बो शम्सी	18	31	2	0
ग्लेन मैक्सवेल बो शम्सी	01	05	0	0
जोश इंगलिस बो कोएत्जी	28	49	3	0
मिचेल स्टार्क नाबाद	16	61	2	0
पैट कमिंस नाबाद	14	29	2	0

अतिरिक्त : 17, कुल : 47.2 ओवर में 215/7 रन

गेंदबाजी : मार्को यानसेन 4.2-0-35-0, कागिसो रबाडा 6-0-41-1, ऐडन मार्कराम 8-1-23-1,जेराल्ड कोएत्जी 9-0-47-2, तबरेज शम्सी 10-0-42-2, केशव महाराज 10-0-24-1

दक्षिण अफ्रीका	रन	गेंद	4	6
डिकॉक का कमिंस बो हेजलवुड	03	14	0	0
टेम्बा बावुमा का इंगलिस बो स्टार्क	00	04	0	0
वान डर डुसेन का स्मिथ बो हेजलवुड	06	31	0	0
ऐडन मार्कराम का वार्नर बो स्टार्क	10	20	2	0
हेनरिच क्लासेन बो हेड	47	48	4	2
डेविड मिलर का हेड बो कमिंस	101	116	8	5
मार्को यानसेन पगबाधा बो हेड	00	01	0	0
कोएत्जी का इंगलिस बो कमिंस	19	39	2	0
केशव महाराज का स्मिथ बो स्टार्क	04	08	0	0
रबाडा का मैक्सवेल बो कमिंस	10	12	0	1
तबरेज शम्सी नाबाद	01	05	0	0

अतिरिक्त : 11, कुल : 49.4 ओवर सभी आउट : 212 रन

गेंदबाजी : मिचेल स्टार्क 10-1-34-3, जोश हेजलवुड 8-3-12-2, पैट कमिंस 9.4-0-51-3, एडम जम्पा 7-0-55-0, ग्लेन मैक्सवेल 10-0-35-0, ट्रेविस हेड 5-0-21-2

प्रणय हारे, जापान मास्टर्स में भारतीय चुनौती समाप्त

एजेंसी ▶▶| कुमामोतो

भारतीय शटलर एचएस प्रणय गुरुवार को यहां दूसरे दौर के संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीनी ताइपे के चोउ टीएन चेन से हार कर बाहर हो गए। इससे जापान मास्टर्स से सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने पहला गेम जीता लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और विश्व में 12वें नंबर के खिलाड़ी चेन से 73 मिनट तक चले पुरुष एकल के मैच में 21-19, 16-21, 19-21 से हार कर बाहर हो गए। इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे भारत के अन्य खिलाड़ी पहले दौर से आगे बढ़ाने में नाकाम रहे थे।

कोहली के पास 100 शतक के रिकॉर्ड को तोड़ने की क्षमता

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि विश्व कप के

सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ शतकीय पारी खेल कर एकदिवसीय में सचिन तेंदुलकर के 49 शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ने वाले विराट कोहली के पास भारत के इस पूर्व दिग्गज के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ने की क्षमता है।

कोहली के नाम है 80 अंतरराष्ट्रीय शतक

कोहली के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 80 (वनडे में 50, एकदिवसीय में 29 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक) शतक दर्ज हैं और वह तेंदुलकर (टेस्ट में 51 और वनडे में 49) के रिकॉर्ड से 20 शतक पीछे हैं। शास्त्री ने 'द आईसीसी रिव्यू' से कहा, 'जब सचिन तेंदुलकर ने 100 शतक बनाए तो किसने सोचा होगा कि कोई उनके करीब भी आएगा? और उसने 80 शतक बना लिए हैं। इसमें 50 शतक एकदिवसीय में आए है।

मोहम्मद शमी बने भारत के सुपरस्टार गेंदबाज

6 मैच 23 शिकार, 3 बार 5 प्लस विकेट से मचाया तहलका

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी जैसे ही अपने रन अप को पूरा करते हैं तभी विराट कोहली ने वानखेड़े स्टेडियम में दर्शकों से उनका हौसला बढ़ाने का इशारा किया जिन्होंने खुशी से कहना मानते हुए जोर से 'शमी, शमी' चिल्लाना शुरू कर दिया।

इससे विश्व कप में शमी के कद को साफ देखा जा सकता है, वह इस टूर्नामेंट में गेंदबाजी में भारत के सुपरस्टार हैं। वह बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले सुपरस्टार बल्लेबाज कोहली की बराबरी पर हैं। ऐसा सिर्फ बुधवार रात न्यूजीलैंड के खिलाफ सात विकेट

के बेहतरीन प्रदर्शन के कारण नहीं है बल्कि अब वह जसप्रीत बुमराह से भी आगे गेंदबाजी के अकेले अगुआ दिख रहे हैं जिसके लिए उनका गेंदबाजी प्रदर्शन भी समर्थन करता है। शमी ने विश्व कप के छह मैचों में 23 विकेट अपने नाम किए हैं जिसमें तीन बार वह पांच या इससे अधिक विकेट चटका चुके हैं और इसमें उनका स्ट्राइक रेट 10.9 का है जो हैरान करने वाला है। इन दो चीजों में वह टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ रहे हैं। लेकिन फिर भी आंकड़े पूरी कहानी नहीं बयां करते क्योंकि दिलचस्प बात है कि शमी विश्व कप में भारत के चार मैच में अंतिम एकादश का हिस्सा भी नहीं थे।

शीर्ष-11 में नहीं थी जगह पर आते ही मचाया कोहराम

भारत आठवें नंबर पर एक बल्लेबाजी आल राउंडर उतारना चाहता था ताकि अगर शीर्ष क्रम जल्दी आउट हो जाए तो अंत में एक अतिरिक्त बल्लेबाज मौजूद रहे। इसी रणनीति के अनुसार आर अश्विन को आस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में शामिल किया गया था जबकि शार्दुल ठाकुर को पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ उतारा गया। पर बांग्लादेश के खिलाफ हार्दिक पंड्या की चोट के कारण भारतीय प्रबंधन को अपनी इस रणनीति से पीछे हटना पड़ा। आल राउंडर पंड्या की अनुपस्थिति के कारण टीम प्रबंधन को धर्मशाला में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के लिए एक बल्लेबाज और एक गेंदबाज की जरूरत थी। तब शमी को अंतिम एकादश में शामिल किया गया और उन्होंने इस मैच में न्यूजीलैंउ के खिलाफ पांच विकेट लेकर प्रभावित किया।

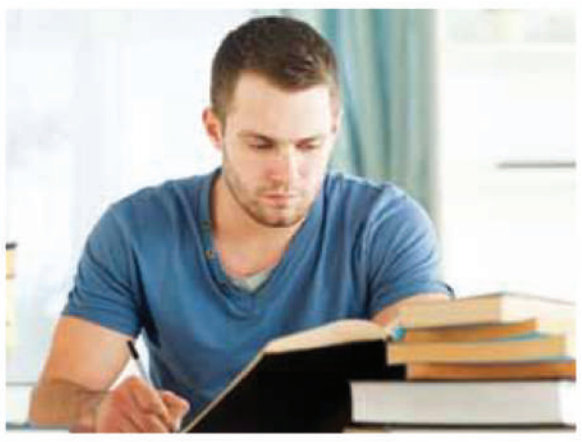

इन एग्जाम पैटर्न टिप्स से आप भी कर सकते हैं सीयूईटी की तैयारी

देश की केन्द्रीय यूनिवर्सिटी में सभी यूजी कोर्सस में एडमिशन के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी सीयूईटी एग्जाम का आयोजन करती है। एनटीए हर शैक्षणिक वर्ष इस परीक्षा का आयोजन करती है। इस परीक्षा में देश के लाखों छात्र बैठते हैं। लेकिन सीयूईटी परीक्षा में बैठने से पहले छात्र को सीयूईटी परीक्षा पैटर्न और सीयूईटी परीक्षा सिलेबस की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। आईए सीयूईटी परीक्षा सिलेबस और पैटर्न को जानते हैं।

ऐसे किया जाता है सीयूईटी में आवेदन

सीयूईटी परीक्षा में आवेदन के लिए हर शैक्षणिक वर्ष आवेदन प्रक्रिया शुरु की जाती है। जिसके लिए छात्रों को ऑफिशियल साइट पर जाकर आवेदन करना होता है।

सीयूईटी यूजी परीक्षा का सिलेबस

सीयूईटी यूजी परीक्षा का सिलेबस 12वीं बोर्ड परीक्षा के सिलेबस पर आधारित होता है। सीयूईटी यूजी परीक्षा सिलेबस को पूरी तरह बारहवीं के सिलेबस पर तैयार किया गया है। ध्यान दें कि हर विषय का अलग-अलग सिलेबस है। मतलब बारहवीं में जितनें भी विषय हैं, उसी के आधार पर यूजी कोर्सेस प्रवेश परीक्षा के लिए सिलेबस तैयार किया गया है। सिलेबस पूरी तरह एनसीआरटी बारहवीं सिलेबस पर आधारित होता है।

सीयूईटी यूजी परीक्षा पैटर्न

सीयूईटी पेपर को कुल तीन सेक्शन में बांटा गया है। पहले सेक्शन में लैंग्वेज टेस्ट है, दूसरे सेक्शन में विषयों का टेस्ट है और तीसरे सेक्शन में जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट शामिल है।

- लैंग्वेज को दो पार्ट में बांटा गया है। पहले पार्ट में सेक्शन VA है और दूसरे पार्ट में सेक्शन VB है। इसके तहत अंग्रेजी सहित अन्य भारतीय भाषाओं में से किसी एक भाषा की परीक्षा देना अनिवार्य है। इस परीक्षा के लिए छात्रों को कुल 45 मिनट दिए जाते हैं।

सेक्शन-2 में छात्रों को कुल 27 विषयों का विकल्प दिया जाता है। जिनमें से किसी 6 विषयों को चुनना होता है। इस परीक्षा के लिए छात्रों को कुल 45 मिनट दिए जाते हैं। जिसमें कुल 50 सवाल किए जाते हैं, जिसमें से 40 सवालों का जवाब देना होता है।

कुल तेरह भाषाओं होती है सीयूईटी यूजी परीक्षा

एनटीए, सीयूईटी यूजी परीक्षा कुल तेरह भाषाओं में आयोजित करती है। जिसमें हिंदी, अंग्रेजी, असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़ीया, पंजाबी, तमिल, तेलगु और उर्दू भाषा शामिल है।

इन कोर्स के लिए एंट्रेंस से मिलता है एडमिशन

दुनियाभर में हर फील्ड में दिन पर दिन कॉम्पिटिशन बढ़ता जा रहा है। सेलेक्शन प्रोसेस पहले से ज्यादा मुश्किल और फोकस्ड होता जा रहा है। कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने वालों की तादाद भी वक्त के साथ बढ़ती जा रही है। कॉम्पिटिशन वाली इस दुनिया में नए-नए कोर्स ईजाद किए जा रहे हैं। जिन प्रोग्राम्स को दुनिया में Toughest Courses के तौर पर माना जाता है। उन्हें सब्जेक्ट्स, असाइनमेंट्स, ड्यूरेशन, एग्जामिनेशन के आधार पर तय किया गया है। ये भी माना जाता है कि सबसे मुश्किल कोर्सेज के E&am भी सबसे मुश्किल होते हैं, ये एग्जाम इंटरनली या फिर Entrance Test के तौर पर भी हो सकते हैं।

ये है दुनिया के सबसे कठिन पाठ्यक्रमों की लिस्ट-

-इंजीनियरिंग
-चार्टर्ड अकाउंटेंसी
-मेडिसिन
-फार्मेसी
-आर्किटेक्चर
-लॉ
-साइकोलॉजी
-ऐरोनॉटिक्स
-क्वाटंम मेकैनिक्स
-स्टैटिस्टिक्स
-जर्नलिज्म
-नर्सिंग
-फाइनेंस
-फिलोसफी
-फाइन आर्ट्स
-फॉरन लैंग्वेज

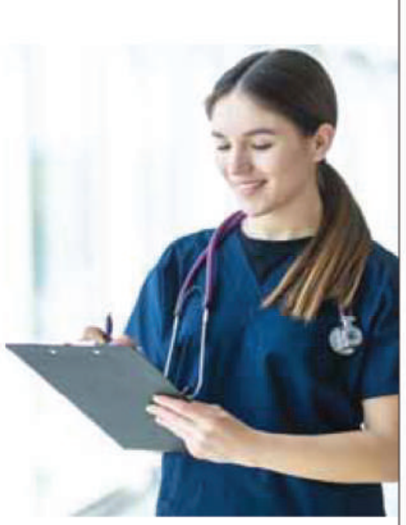

उनमें ज्यादातर वे कोर्स हैं, जिन्हें 12वीं तक साइंस स्ट्रीम से पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स ही कर सकते हैं। यहां शामिल 16 कोर्सेज वे हैं, जिन्हें करने के बाद करियर बनाने के भी बेहतरीन मौके मिल सकते हैं, बेशक हर फील्ड में लगातार मेहनत की जरूरत होती है। इन ज्यादातर कोर्सेज में दुनिया भर में एंट्रेंस के आधार पर एडमिशन मिलता है। इन सभी कोर्सेज में दाखिले के लिए होने वाले एंट्रेंस में भारी कॉम्पिटिशन होता है. टेस्ट तो बहुत बड़ी तादाद में देते हैं, लेकिन पास कुछ फीसदी ही कर पाते हैं।

इंटीरियर डिजाइनिंग में बनाएं शानदार करियर

इंटीरियर डिजाइनिंग क्षेत्र में न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया के कई देशों में बेहतरीन अवसर है। जहां से आप इस क्षेत्र में कामयाब हो सकते हैं, लेकिन इस क्षेत्र में जाने से पहले कुछ जरूरी बातें ध्यान में रखनी पड़ती है। पहला आपको अपने क्लाइंट की पसंद को जानना बेहद जरूरी है, कि उसे अपने घर या ऑफिस के डिजाइन के लिए किस तरह की थीम पसंद है। इसकी परख आप में होना चाहिए। दूसरी अहम बात है कि आप क्लाइंट की पसंद के आधार पर डिजाइन में अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमान कितनी बारिकी और आकर्षण के साथ कर सकते हैं। तीसरी अहम बात यह है कि

> **आपको अपने क्लाइंट की पसंद को जानना बेहद जरूरी है, कि उसे अपने घर या ऑफिस के डिजाइन के लिए किस तरह की थीम पसंद है। इसकी परख आप में होना चाहिए। दूसरी अहम बात है कि आप क्लाइंट की पसंद के आधार पर डिजाइन में अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमान कितनी बारीकी और आकर्षण के साथ कर सकते हैं। तीसरी अहम बात यह है कि बेहतरीन कम्यूनिकेशन स्किल होनी चाहिए आप में, ताकि आप क्लाइंट को अपनी बातें समझा सकें।**

बेहतरीन कम्यूनिकेशन स्किल होनी चाहिए आप में, ताकि आप क्लाइंट को अपनी बातें समझा सकें। किसी भी काम को शुरू करने से पहले यह बहुत जरूरी होता है कि उससे आपकी बातचीत का स्तर कैसा है। कम्यूनिकेशन ही एक ऐसा माध्यम है जिससे आप हर किसी के साथ अच्छा प्रोफेशनल रिश्ता बना सकते हैं।

इंटीरियर डिजाइनिंग इंटीरियर डेकोरेशन में अंतर

इसके लिए इंटीरियर डेकोरेशन और इंटीरियर डिजाइनिंग के बीच के फर्क को समझना बेहद जरूरी है। इंटीरियर डिजाइनिंग और आर्किटेक्चर में बहुत बड़ा फर्क होता है। जिसे समझना बेहद अहम है।

इसकी समझ होनी चाहिए कि इंटीरियर डिजाइनिंग का काम और आर्किटेक्चर के काम में क्या-क्या अंतर है। इंटीरियर डिजाइनिंग में कई टेकनिकल चीजों का इस्तेमान होता है, जो कि आप कोर्स के दौरान पढ़ेंगे।

इंटीरियर डिजाइनिंग का उपयोग

इंटीरियर डिजाइनिंग क्षेत्र भी अपने आप में स्पेश्लाइजेशन किया हुआ है। जैसे कि रिहायशी मकान, ऑफिस, होटल, रेस्टोरेंट, क्लब, स्कूल, कॉलेज और अस्पतालों में इंटीरियर डिजाइन का काम होता है। इन जगहों पर इन दिनों इंटीरियर डिजाइनिंग का काम बहुत ज्यादा हो रहा है। लोग इंटीरियर डिजाइनिंग के लिए मुंह मांगा पैसे देतै हैं।

बारहवीं के बाद ऐसे करें कोर्स

इंटीरियर डिजाइनिंग क्षेत्र में दो तरह का कोर्स करवाया जाता है। पहला बीए, बीएससी इन इंटीरियर डिजाइनिंग, जो कि तीन साल का कोर्स होता है। दूसरा बीआईडी मतलब बैचलर इन इंटीरियर डिजाइनिंग, जो कि चार साल का कोर्स होता है। तीन साल के कोर्स को कई विश्वविद्यालयों में पढ़ाया जाता है, लेकिन चार साल के बीआईडी कोर्स को इंटीरियर डिजाइनिंग क्षेत्र में सबसे बेहतर कोर्स की लिस्ट में रखा जाता है।

ऐसे करें बेहतर करियर का चुनाव

किसी भी करियर के फैसले लेने से पहले यह जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि आप उस क्षेत्र में कितने मजबूत हैं,

दूसरी बात यदि आप उस क्षेत्र में मजबूत नहीं भी हैं तो यह जानना बेहद जरूरी है कि उस क्षेत्र में आपकी रूची है कि नहीं।

यदि है आपके पास साइंस की डिग्री तो गूगल में पा सकते हैं बेहतर नौकरी

गूगल में नौकरी मिलना मतलब किसी सपने का साकार होना। गूगल न सिर्फ अपने एंप्लॉइज को बेस्ट सुविधाएं देता है, बल्कि सैलरी के मामले में भी इसका कोई मुकाबला नहीं है। गूगल अपने सोशल मीडिया और जॉब प्लेटफॉर्म पर नौकरियों से संबंधित पोस्ट शेयर करता रहता है

गूगल मैप्स में प्रोडक्ट मैनेजर की नौकरी

अब ज्यादातर लोग गूगल मैप के जरिए अपना रास्ता या कोई खास जगह ढूंढते हैं। उस पर दर्ज रिव्यू से भी काफी मदद मिलती है। गूगल मैप्स के लिए प्रोडक्ट मैनेजर के पद पर आवेदन मंगवाए गए हैं। गूगल मैप्स में प्रोडक्ट मैनेजर के तौर पर व्यक्ति को ये काम करने होंगे-

- कंटेंट मॉडरेशन टीम (रिव्यू, मीडिया) के साथ मिलकर काम करना। साथ ही गूगल मैप्स के लिए ऐसे न ए मॉडरेशन सिस्टम लॉन्च करना, जिनसे यूजर एक्सपीरियंस और मैप्स डेटा क्वालिटी को बेहतर बनाया जा सके।
- क्रॉस गूगल मॉडलिंग टीम के साथ पार्टनरशिप करके यूजर इन्फॉर्मेशन निकालना और मशीन लर्निंग सिस्टम पर काम करना।
-डेटा लेबलिंग टीम के साथ काम करके डेटा क्वालिटी में सुधार लाना।

योग्यता

-कंप्यूटर साइंस में बैचलर्स की डिग्री, या किसी संबंधित टेक्निकल फील्ड में, या इन डिग्रियों के बराबर का प्रैक्टिकल अनुभव।

फिलॉस्फी में एमए के बाद बीएड करके बन सकते हैं लेक्चरर

हम सभी के विचारों, सास्कृतिक संवर्धन और व्यक्तिगत विकास में दर्शनशास्त्र के महत्व को दर्शाने वाले विश्व दर्शन दिवस को हर साल नवंबर माह के तीसरे बृहस्पतिवार को मनाया जाता है। वर्ष 2005 में शुरूआत के बाद से हर साल मनाए जा रहे विश्व दर्शन दिवस के लिए इस साल यूनेस्को ने मुख्य विषय 'बहुसंस्कृति वाले विश्व में दार्शनिक प्रतिबिंब घोषित किया है। यह विषय विभिन्न संस्कृतियों में आपसी समझ और संवाद को बढ़ावा देने में दर्शन की भूमिका को उजागर करता है।

ऐसे समय में जबकि विश्व दर्शन दिवस पर वैश्विक स्तर पर दर्शन के हमार जीवन में महत्व पर चर्चाएं हो रही हैं, देश के तमाम विश्वविद्यालयों एवं डिग्री कॉलेजों में दर्शनशास्त्र में मास्टर्स कर रहे या एमए फिलॉस्फी कर चुके छात्र-छात्राओं के लिए हम लेकर आए हैं पीजी के बाद एकेडेमिक जॉब ऑप्शंस की जानकारियां। वैसे तो फिलॉस्फी में करियर का या जॉब ऑप्शन कोई अलग नहीं है लेकिन एकेडेमिक में फिलॉस्फी टीचिंग एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है।

ऐसे सभी स्टूडेंट्स जो कि किसी मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षा संस्थान से दर्शनशास्त्र में पीजी कर रहे हैं या एमए डिग्री प्राप्त कर चुके हैं, वे इसके बाद बीएड करके विभिन्न संस्थानों में फिलॉस्फी में लेक्चरर पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। केंद्र सरकार के विभागों और संस्थानों के लिए भर्ती करने वाले संघ लोक सेवा आयोग के मुताबिक न्यूनतम 50 फीसदी अंकों के साथ एमए (फिलॉस्फी) उत्तीर्ण करने वाले कैंडिडेट्स बीएड या बीएलएड या डीएलएड करके लेक्चरर (फिलॉस्फी) पद के लिए आवेदन के पात्र होते हैं। इसके अतिरिक्त 38 वर्ष अधिकतम आयु सीमा की शर्त भी पूरी करनी होनी है, जिसमें आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों को छूट दी जाती है।

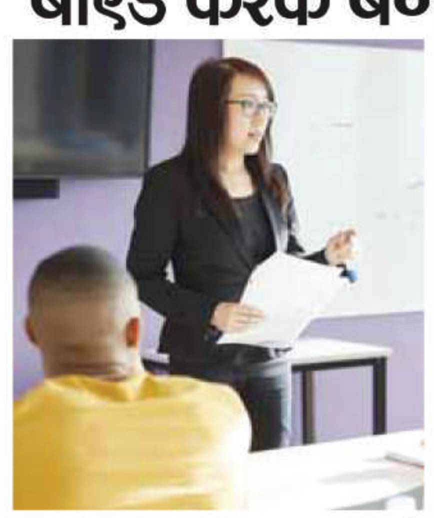

ऐसे बनें असिस्टेंट प्रोफेसर

इसी प्रकार, एमए (फिलॉस्फी) उत्तीर्ण करने के बाद यदि किसी छात्र या छात्रा की इच्छा किसी विश्वविद्यालय या डिग्री कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने की है तो उसे किसी और कोर्स को करने के आवश्यकता नहीं होती है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के अनुसार आयोग द्वारा हर साल दो बार आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा को दर्शनशास्त्र विषय के लिए उत्तीर्ण करके देश भर के उच्च शिक्षा संस्थानों में असिस्टेंट प्रोफेसर (फिलॉस्फी) के लिए पात्रता अर्जित की जा सकती है हालांकि, विभिन्न राज्यों के राज्य लोक सेवा आयोग या किसी अन्य परीक्षा निकाय द्वारा आयोजित की जाने वाली राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षा दर्शनशास्त्र में उत्तीर्ण करके भी उस राज्य के विश्वविद्यालयों या डिग्री कॉलेजो में असिस्टेंट प्रोफेसर (फिलॉस्फी) की भर्ती के लिए उम्मीदवार योग्य हो जाते हैं।

इस देश की जेलों में किताबें पढ़ने पर कम हो जाती है कैदियों की सजा

जब कोई व्यक्ति क्राइम करता है और पकड़ा जाता है तो कोर्ट उसे सजा सुनाता है। फिर आरोपी को उतने सालों तक जेल में सजा काटनी पड़ती है। क्या आपको पता है कि किसी देश में किताब पढ़ कर सजा कम कराई जा सकती है। वेस्ट सेंट्रल साउथ अमेरिका में स्थित देश बोलीविया की जेलों में कैदियों को किताबें पढ़ने पर सजा कम हो जाती है। इस कार्यक्रम को बुक्स बिहाइंड बार्स का नाम दिया गया है। इस कार्यक्रम की थीम है कि किताबें पढ़िए, सजा कम कराइ, और फिर मुस्कुराते हुए बाहर जाइए। इस कार्यक्रम का एक और उद्देश्य साक्षरता बढ़ाना भी है। बोलीविया की जेलों में कैदियों के लिए मौत की सजा या उम्रकैद की सजा नहीं है। यहां जो कैदी ज्यादा किताबें पढ़ते हैं, उन्हें सजा पूरी करने से पहले ही रिहा कर दिया जाता है। हालांकि, आम तौर पर यहां की जेलों में बंद कैदियों में ज्यादातर बहुत पढ़े-लिखे नहीं हैं। इसलिए उनके लिए किताबें पढ़ना थोड़ा समय लेने वाला काम है। यह कार्यक्रम ब्राजील में चलाए गए ऐसे ही एक कार्यक्रम से प्रभावित है। काफी संख्या में कैदी इस कार्यक्रम का फायदा भी उठा चुके हैं।

GENERAL KNOWLEDGE

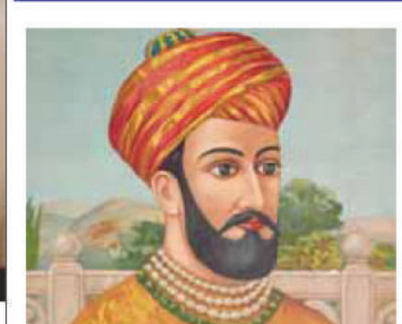

- भारत की सबसे ज्यादा मार्ग बदलने वाली नदी कौन सी है?

उत्तर- भारत में कोसी एकमात्र ऐसी नदी है, जो सबसे ज्यादा बार अपना मार्ग बदलती है.

- कौन सा मुगल बादशाह सप्ताह के सातों दिन अलग-अलग रंग के कपड़े पहनता था?

उत्तर- दरअसल, हुमायुं ही वो बादशाह है, जो सप्ताह के सातों दिन अलग-अलग रंग के कपड़े पहनता था।

- भारत में खुशबुओं का शहर कन्नौज को कहा जाता है।

उत्तर- भारत में खुशबुओं के शहर के नाम से किसे जाना जाता है?

- मनुष्य बिना सोए कितने दिन तक जिंदा रह सकता है?

उत्तर- मनुष्य बिना सोए ज्यादा से ज्यादा 12 दिन तक जिंदा रह सकता है।

- किस देश में केवल 40 मिनट की रात होती है?

उत्तर- पूरी दुनिया में केवल नॉर्वे वो एकमात्र ऐसा देश है, जहां केवल 40 मिनट की रात होती है।

- बताएं वह क्या है, जो बिना धोए खाते हैं, खाकर बहुत पछताते हैं, कहने में भी शर्माते हैं?

उत्तर- दरअसल, वो चीज है जूते-चप्पल, जो बिना धोए खाते हैं, खाकर बहुत पछताते हैं और कहने में भी शर्माते हैं।

- भारत में खुशबुओं के शहर के नाम से किसे जाना जाता है?

उत्तर- भारत में खुशबुओं का शहर कन्नौज को कहा जाता है।

-खरगोश का जीवनकाल कितने वर्षों का होता है?

उत्तर- खरगोश का जीवनकाल 8 वर्षों का होता है.

- विश्व में इलायची का उत्पादन करने वाला सबसे बड़ा देश कौन सा है?

उत्तर- इलायची का उत्पादन करने वाला सबसे बड़ा देश ग्वाटेमाला में है।

- भारत में सबसे सस्ता पेट्रोल किस राज्य में मिलता है?

उत्तर- भारत में सबसे सस्ता पेट्रोल गोवा में मिलता है।

-अंतरिक्ष में सूर्य कैसा दिखाई देता है?

उत्तर- अंतरिक्ष में सूरज सफेद रंग का दिखाई देता है।

- मनुष्य के दिमाग में कितना प्रतिशत पानी होता है?

उत्तर- हमारे दिमाग में 80 फीसदी पानी होता है।

- किस ब्लड ग्रुप वाले लोगों को मच्छर कम काटते हैं?

उत्तर- ए ब्लड ग्रुप वाले लोगों को मच्छर कम काटते हैं.

विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल आयोजन हेतु जिलाधिकारी ने की बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में दिनांक 15 नवंबर 2023 से 26 जनवरी, 2024 तक विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल आयोजन के संबंध में बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुख्य उद्देश्य है कि जनसामान्य, आम नागरिकों को केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी, लाभार्थीपरक योजनाओं के विषय में जानकारी, लाभान्वित कर उन्हें जागरूक किया जाए ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजना का लाभ सुगमता से पहुंच सके और जो योजनाएं चलाई जा रही हैं उनका लाभ पात्र व्यक्तियों को मिल सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग आपस में सामंजस्य बनाकर विकसित भारत संकल्प यात्रा सम्बंधित स्टाल लगाएगें और उनको भव्यता के रूप में आयोजित करें। उन्होंने कहा की पात्रता का निर्धारण उचित प्रकार से हो जिसमें किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए। प्रत्येक विकास खण्ड पर मॉनिटरिंग के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा जो चलाए जा रहे हैं विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि स्टाल के लिए नोडल अधिकारी भी नामित किए जाएं जो जिस जगह स्टॉल लगाना है उस स्थान का दिनांक और जगह चिन्हित करें और उसका फोटो और वीडियो अवश्य लें। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के द्वारा आदिवासी समाज के लोगों को लाभ प्राप्त हो सके और पात्र व्यक्ति जो छूट गए हैं उनका चयन करके लाभ प्रदान किया जाए। विकसित भारत संकल्प यात्रा हर गांव में जाएगी, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र व्यक्ति को लाभ प्रदान कर जागरूक करना है।

जिलाधिकारी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम भव्यता के साथ किया जाएगा इसे सभी सम्बंधित विभागीय अधिकारी गंभीरता से ले और ऐसे कर्मचारी लगाये जाए जो गांव-गांव जाकर लोगों को चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दें। जिलाधिकारी ने कहा विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल आयोजन हेतु एक रूट चार्ट बनाया जाए और जिला स्तर और ग्राम स्तर पर समिति गठित करें। उन्होंने विभागवार सभी विभागाध्यक्ष को निर्देशित किया कि जिसको जो दायित्व दिए गए हैं उनको विस्तार से अवगत कराया जाए और उनका पालन उचित प्रकार से करे। इस कार्यक्रम में किसी प्रकार की लापरवाही नही होनी चाहिए। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए टीम बनाकर कार्य करें और अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि जो भी योजनाएं से लाभान्वित लाभार्थी हैं उसका डॉक्यूमेंटेशन अवश्य बनाएं ताकि जो लाभार्थी हैं वह और लोगों को प्रेरित कर सके कि किस योजना से उन्हें क्या लाभ प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित अभियान में जो योजनाएं सम्मिलित की जाएगी, जिनमें आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना ग्रामीण, पीएम उज्ज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम पोषण अभियान, हर घर जल जल जीवन मिशन, गांवों का सर्वेक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में तात्कालिक प्रौद्योगिकी के साथ मानचित्रण स्वामित्व, जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम प्रणाम योजना, नैनो उर्वरक का उपयोग शामिल हैं।

इसी प्रकार शहरी क्षेत्रों में आयोजित अभियान में सम्मिलित योजनायें जो पीएम स्वनिधि योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, पीएम मुद्रा लोन योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना शहरी, स्वच्छ भारत अभियान शहरी, पीएम ई-बस सेवा, कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन अमृत, पीएम भारतीय जन औषधि परियोजना, उजाला योजना, पीएम सौभाग्य योजना, डिजिटल भुगतान अवसंरचना, खेलो इंडिया, आरसीएस उड़ान और वंदे भारत ट्रेनें और अमृत भारत स्टेशन योजना प्रमुख है। जिलाधिकारी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल आयोजन हेतु सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने अपने विभाग से सम्बंधित योजनाओं को सेचुरेट करके विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान योजनाओं के विषय में आम जनमानस, ग्रामीणों को जागरूक कर लाभान्वित किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, अपर उपजिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, उप निदेशक कृषि, समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम व एसपी के द्वारा छठ पर्व को लेकर थाना कोतवाली खलीलाबाद अंतर्गत पक्का पोखरा घाट का किया गया निरीक्षण, दिये गए आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रखर संतकबीरनगर। जिलाधिकारी संतकबीरनगर महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता के द्वारा संयुक्त रुप से पुलिस व प्रशासनिक टीमों के साथ आज दिनांक 17.11.2023 को भक्ति एवं आस्था का महापर्व छठ पूजा के अवसर पर छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं को अपेक्षित सुविधा प्रदान करने हेतु थाना कोतवाली खलीलाबाद अंतर्गत पक्का पोखरा घाट का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान घाट पर छठ के दौरान आने वाले छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं की संख्या के बारे में जानकारी की गई। उपस्थित अधिकारियों को घाट की साफ-सफाई, वैरिकेडिंग, कानून व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सुदृढ करने के लिए कई आवश्यक निर्देश दिए गए । निरीक्षण के क्रम में बताया गया कि जिन घाटों पर पानी अधिक है वहां पर मजबूत बैरिकेडिग करा दिया जाए व नाव, गोताखोर आदि की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि कोई दुर्घटना न हो सके, साथ ही सभी घाटों पर प्रकाश की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए । छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी या दिक्कत नहीं होनी चाहिए साथ ही सभी छठ घाटों पर आधारभूत सुविधा उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया।

एहसान सोशल फाउंडेशन द्वारा एक आई कैम्प का आयोजन वाराणसी के सप्तसागर क्षेत्र में किया गया

प्रखर वाराणसी। वाराणसी के सप्तसागर क्षेत्र में किया गया हैं जहां हम आस पास के नागरिकों के नेत्र जाँच करेंगे तथा जरूरत अनुसार लोगों को परामर्श दिया गया हैं। एहसान सोशल फाउंडेशन एक नॉट फॉर प्रॉफिट संस्था हैं जो काशी में पिछले 3-4 वर्षों से लगातार हम जरूरत मंद लोगों के लिए कार्य कर रहे हैं । संस्था के अध्यक्ष नूर एहसान जी , मुख्य अतिथि वाराणसी व्यापार मण्डल अध्यक्ष श्री अजीत सिंह बग्गा जी के हाथों इस कैम्प का उद्घाटन किया गया और आँख जाँच होने के बाद मरीजों में दावा का वितरण भी किया गया आगे भी समय समय पर सभी क्षेत्रों में इस तरह के निशुल्क कैम्प लगाया जायेगा । लोगों को स्वस्थ के प्रति जागरूक करना भी हमारे संस्था का मकसद हैं । कुछ लोग हॉस्पिटल नहीं जाते तथा स्वस्थ को ले कर जागरूक भी नहीं हैं, हम लोग अपनी पूरी टीम के द्वारा और इस संस्था के माध्यम से लोगों को स्वस्थ सुविधाएँ देने का अथक प्रयास करते रहेंगे। इसमें वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष श्री अजीत सिंह बग्गा व उनकी पूरी टीम का सहयोग मिला। हम नेत्र जांच शिविर में 200 से अधिक लोगों को लक्षित कर रहे हैं और उन्हें परामर्श तथा जरूरअनुसार उन्हें दवा व चशमा का प्रबंध कराया। इस कैम्प में डॉ दिलशाद अहमद आई स्पेशलिस्ट की पूरी टीम द्वारा लेटेस्ट मशीनों से आँखों की जाँच की गई और जिन लोगों को दवा की व्यवस्था तथा जिन्हें चशमा की जरूरत थी उन्हें चशमा दिया गया । इस कैम्प में मुख्य रूप से उपस्थित संस्था के अध्यक्ष नूर एहसान जी, वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा जी, कर्णघंट व्यापार मंडल अध्यक्ष विश्वनाथ जी, वाराणसी महिला व्यापार मण्डल अध्यक्ष प्रिया अग्रवाल जी, उपाध्यक्ष रिंकु प्रजापति व टीम से नवेद जी,अर्पित जी, मोहसिन जी, जुनेद जी, प्रकाश, साल्वी आदि मौजूद थी।

51 सज्जित बजड़ों पर हजारों भक्तों, झांकियों के साथ निकली भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज की भव्य शोभयात्रा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के तत्वाधान मे भगवान श्री चित्रगुप्त जी महराज की भव्य शोभायात्रा यम द्वितीया निकाली गई दशकों से चलाई जा रही परंपरागत शोभायात्रा का इस वर्ष का आयोजन विशेष रहा शोभायात्रा माँ गंगा की गोद में अस्सी घाट से डॉ राजेन्द्र प्रसाद घाट तक 51 सजे धजे बजड़ो से निकली। भव्य शोभायात्रा के साथ अस्सी घाट पर महापूजनोत्सव भी आयोजित हुआ जिसमे भगवान श्री चित्रगुप्त जी महराज की 21 फीट की ऊंची भव्य प्रतिमा पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक महेश चन्द श्रीवास्तव के नेतृत्व मे पूजन, अर्चन एवं महाआरती की गई। शोभायात्रा पर विभिन्न घाटों पर उपस्थित महासभा के सैकड़ों टोलियों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। शोभायात्रा के डॉ राजेन्द्र प्रसाद घाट पर पहुंचने पर मुख्य अतिथि महेश चन्द श्रीवास्तव एवं महासभा के वरिष्ठ पदाधिकारीयों ने कायस्थ कुल गौरव भारत के प्रथम राष्ट्रपति, भारत रत्न स्व० डा० राजेन्द्र प्रसाद के मुर्ति पर माल्यार्पण कर नमन किया। कार्यक्रम में मुख्य आशीर्वचनकर्ता, मुख्य वक्ता परम श्रद्धेय परम पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती , काशी सुमेरू पीठाधीश्वर द्वारा उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं को प्रेरणादाई आशीर्वचन श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ ` कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेश चन्द श्रीवास्तव ने कहा यह आज हम सबका सौभाग्य है की भगवान चित्रगुप्त की पूजा कर पुण्य अर्जित कर रहे हैं। भगवान चित्रगुप्त न्यायब्रह्म हैं पुण्य और पाप के निष्पक्ष विचारक ही नहीं, फल निश्चित करने वाले शक्तिमान परमेश्वर हैं वे सनातन धर्म के स्वरूप हैं हमारे कर्मों का लेखा जोखा केवल एक पौराणिक इकाई नहीं है बल्कि एक गहन आदर्श है जो मानवीय अनुभव के साथ प्रतिध्वनित होता है` आत्म-चिंतन की भावना से, हम सबको भगवान चित्रगुप्त की भक्ति और शिक्षाओं को अपना कर सत्य, निष्ठा, करुणापूर्ण जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर विश्व मे पहली बार बुद्धि, विवेक और ज्ञान

के प्रदाता व लेखनी के आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज पर आधारित एक भव्य नाट्य का मंचन भी विख्यात नाट्य कलाकारों द्वारा हुआ जिसमे गंगापुत्र भीष्म के ब्रह्मा जी के मानस पुत्र ऋषि पुलस्त्य से संवाद जिनमे भगवान श्री चित्रगुप्त जी महराज की महिमा और पूजन का विस्तृत उल्लेख है पर आधारित थी इसके साथ शिव तांडव स्तोत्र, श्री राधा कृष्ण नृत्य नाट्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम का मंचन भी हुआ। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण एवं घाट पर महेश चन्द श्रीवास्तव एवं महासभा के सदस्यों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से स्वच्छता श्रमदान भी किया गया।

एसपी के द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड का किया गया निरीक्षण, दिये गए आवश्यक दिशा निर्देश

प्रखर संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता के द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउण्ड मे साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। परेड में सम्मिलित पुलिस कर्मियों के टर्नआउट को चेक करते हुए सभी अधिकारी व कर्मचारीगणों को ड्यूटी के दौरान उच्च कोटि की वर्दी पहनने व जनता से मधुर व्यवहार स्थापित करने के लिए निर्देशित किया गया। निरीक्षण के पश्चात कर्मियों को शारीरिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ लगवाई गई व परेड के दौरान अनुशासन व एकरुपता के लिए टोलीवार ड्रिल कराई गई। एसपी के द्वारा परेड के उपरान्त निमार्णाधीन बाउण्ड्री वाल की गुणवत्ता, आमी बैरक, मेस व रिजर्व पुलिस लाइन्स परिसर की साफ सफाई का निरीक्षण किया गया तथा पुलिस लाइन की बेहतर साफ-सफाई हेतु प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया तत्पश्चात पुलिस लाइन के आदेश कक्ष मे सभी गार्द रजिस्टरों को चेक करते हुए गार्द की सुरक्षा के संबंध मे सभी गार्द कमांडरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में जनपद के समस्थ थानों पर शुक्रवार की परेड करायी गयी। शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए समस्त पुलिस कर्मियों से दौड़ लगवायी गयी एवं अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए ड्रिल भी करवाया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के नोडल अधिकारी व संयुक्त सचिव, विद्युत मंत्रालय श्री शशांक मिश्र (आई०ए०एस०) की अध्यक्षता में योजनाओं के संतृप्तीकरण से सम्बंधित बैठक हुई आयोजित

प्रखर संतकबीरनगर। विकसित भारत संकल्प यात्रा (दिनांक 15 नवंबर, 2023 से 26 जनवरी 2024 तक) के सफल क्रियान्वयन के संबंध में भारत सरकार द्वारा नामित जनपद के नोडल अधिकारी संयुक्त सचिव विद्युत मंत्रालय शशांक मिश्र (आई०ए०एस०) की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में योजनाओं के संतृप्तीकरण के लिए आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने तथा छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाये जाने के संबंध में बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर, पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता, अपर जिलाधिकारी जय प्रकाश एवं मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विकसित भारत संकल्प यात्रा के नोडल अधिकारी शशांक मिश्र ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्रमुख योजनाओं का लाभ, लक्षित लाभार्थियों, खास तौर से वंचित व असंतृप्त लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे। जन सामान्य को जागरूक करते हुए वंचितों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना। लाभार्थियों के व्यक्तिगत कहानियों तथा अनुभव साझा करने के माध्यम से सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी एकत्रित करना। यात्रा के दौरान प्राप्त विवरण द्वारा संभावित लाभार्थियों का नामांकन व चयन तथा स्वच्छता सुविधाएँ, आवश्यक वित्त पोषण सेवाएँ, एलपीजी कनेक्शन, गरीबों के लिए आवास, खाद्य सुरक्षा, उचित पोषण, विश्वसनीय स्वास्थ्य सुविधाएँ, स्वच्छ पेयजल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आदि बुनियादी सुविधाओं जैसी प्रमुख योजनाओं का संतृप्तीकरण करना है। उन्होंने संबंधित समस्त विभागीय अधिकारियों से कहा कि आपके लिये यह एक अवसर है, जिसके माध्यम से केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ छूटे एवं पात्र लाभार्थियों को दिलाया जाना है। उन्होंने आमजनमानस को इस योजना के माध्यम से जागरूक करने, छूटे हुए पात्र लाभार्थियों का चयन करते हुए लाभावित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक दिवस में आयोजित होने वाली गतिविधियों से संबंधित फोटोग्राफ्स को पोर्टल पर अपलोड करने निर्देश दिए। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा हेतु शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में कमेटी का गठन करते हुए सम्पूर्ण तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

उन्होंने नोडल अधिकारी को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा दिये गये निर्देशों एवं मार्ग दर्शन का पूर्णतः अनुपालन सम्बंधित विभागों के माध्यम से सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों के फोटोग्राफ्स एवं गतिविधियों की निगरानी व जानकारी हेतु कंट्रोल रूम की स्थापना विकास भवन में की गई है। उन्होंने कहा कि हम सभी का पूरा प्रयास रहेगा कि छूटे हुए लाभार्थियों को चिन्हित कर संचालित योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत मिल सके। बैठक के दौरान शासन द्वारा जारी गाईडलाईन के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया गया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित अभियान प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना (ग्रामीण), पीएम उज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम पोषण अभियान, हर घर जल-जल जीवन मिशन, गांवों का सर्वेक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में तात्कालिक प्रौद्योगिकी के साथ मानचित्रण (स्वामित्व) जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम प्रणाम योजना, नैनो उर्वरक का उपयोग आदि योजनाओं को सम्मिलित किया गया है।

तहसील बार चुनाव में के.के. त्रिपाठी अध्यक्ष एवं राधवेंद्र सिंह मंत्री निर्वाचित

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा तहसील बार एसोशिएशन चुनाव में गुरुवार को चुनाव के परिणाम में अधिवक्ता केके त्रिपाठी अध्यक्ष एवं राघवेन्द्र सिंह मंत्री निर्वाचित हुए। चुनाव में भारी जीत के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष घघसरा प्रभाकर दुबे ने बधाई दी। प्रक्रिया सुबह 10 बजे से अपराह्न 2 बजे तक चला, जिसमे कुल 97 सदस्यों ने मतदान किया। अपराह्न 2.30 बजे से मतगणना का कार्य प्रारंभ हुआ । जिसमें अध्यक्ष पद के प्रत्याशी कृष्ण कुमार त्रिपाठी को 53 मत मिले जबकि प्रतिद्वंद्वी भूपेंद्र त्रिपाठी को 44 वोट पर सिमट गये। वहीं मंत्री पद के दौर में राधवेंद्र सिंह ने जीत हासिल की । इन्हें कुल 52 मत मिले वहीं प्रतिद्वंद्वी अजीत कुमार मिश्र 27,मुक्ति नारायन 18 मत पर सिमट गये। पूर्व में अन्य पदाधिकारीगण निर्विरोध घोषित किए गए जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश कुमार गोंड,सामान्य उपाध्यक्ष बलिकरन प्रसाद,संतोष केसरी, कोषाध्यक्ष सत्यवीर चौधरी, पुस्तकालय मंत्री राम नयन भारती, संयुक्त मंत्री प्रशासन अभिषेक श्रीवास्तव, सतीश चंद कन्नौजिया, सदस्य में, सुग्रीव यादव, रामजन्म सिंह, विचिम मणि त्रिपाठी, अभिनाश प्रताप सिंह, विजय प्रताप सिंह, अरविंद, रमेश कुमार कन्नौजिया, रणजय सिंह यादव, राम आशीष सिंह, धूप नारायण, अंगद गोंड, जितेंद्र पाल गुप्त कार्यकारणी सदस्य मनोनीत किया गया। उक्त जानकारी ऐलडर्स कमेटी अध्यक्ष जीबी सिंह ने पत्रकारों को दी।

संक्षिप्त खबरें

सहारा समूह के संस्थापक सुब्रत राय के निधन पर कायस्थ महासभा ने की शोकसभा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शुक्रवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के तत्वावधान में महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के चंदन नगर स्थित आवास पर शोक सभा का आयोजन किया गया। इस शोकसभा मे प्रमुख व्यवसायी सहारा समूह के संस्थापक सुब्रत राय सहारा के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह महान इंसान थे। उनका व्यक्तित्व विराट था। वह समाज के उत्थान और विकास के लिए आजीवन चिंतित रहे। समाज के प्रति उनकी इस पीड़ा का ही परिणाम था कि कायस्थ समाज के हजारों हजार लोगों को सहारा समूह में नौकरी मिली थी। वह सम्बन्धों के धनी थे। सियासी और वालीवुड के तमाम प्रमुख हस्तियों से उनके प्रगाढ़ सम्बन्ध रहे। खेलों को बढ़ावा देने में उनका महती योगदान रहा। क्रिकेट और हाकी टूनामेंट को हमेशा स्पांसर करते रहे। उनके निधन से कायस्थ समाज ने अपना एक महान सपूत को दिया है। जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है। इस शोकसभा मे मुख्य रूप से मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, शैल श्रीवास्तव, मोहनलाल श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, अमर सिंह राठौर, राजेश कुमार श्रीवास्तव, अमरनाथ श्रीवास्तव, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, पियुष श्रीवास्तव, अनूप कुमार श्रीवास्तव, अश्वनी श्रीवास्तव, कमल श्रीवास्तव एडवोकेट, अजय कुमार श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। इस शोकसभा का संचालन जिला महामंत्री अरूण सहाय ने किया।

रामायण पर आधारित हुई परीक्षा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। नेशनल इंटर कालेज पिंडरा पर शुक्रवार विश्व हिंदू परिषद के बैनर तले प्रसिद्ध ग्रंथ रामायण पर आधारित परीक्षा हुई। उक्त परीक्षा में कक्षा 6 से 8 तक के 50 बच्चों ने प्रतिभाग किया। इसके लिए बकायदा प्रश्न पत्र और उत्तर लिखने के लिए कॉपी दी गई। जिसमें कुछ प्रश्न बहु विकल्पी रहे तो कुछ प्रश्न लिखित रहे। इस बाबत जिला धर्म प्रचारक चंद्रशेखर सेठ ने बताया कि परीक्षा का परिणाम एक सप्ताह बाद पूरे जिले की कॉपी जांचने के बाद जारी होगा। यह परीक्षा प्रत्येक विकास खण्ड में आयोजित की गई थी। परीक्षा के दौरान विश्व हिंदू के जिला सह मंत्री राजकुमार सिंह, जिला धर्म प्रचारक चंद्रशेखर सेठ, शैलेन्द्र पाण्डेय, पिंडरा प्रखंड अध्यक्ष ओमप्रकाश सेठ के साथ विद्यालय के प्रधानाचार्य रामाश्रय सिंह समेत अनेक सहायक अध्यापक उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य महकमा की टीम जाँच के लिए पहुँची, 13 मरीज का लिया ब्लड सेंपल

प्रखर खेतासराय जौनपुर। कस्बे में रहस्यमय बुखार से दो की मौत और पीड़ितों की बढ़ रही फेहरिस्त का आखिरकार जिला प्रशासन ने संज्ञान ले ही लिया है । गुरुवार को सीएमओ के निर्देश पर प्रभारी चिकित्साधिकारी रमेश चन्द्रा के नेतृत्व में आधा दर्जन स्वास्थ्यकर्मियों ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर 13 मरीजों का खून का सेंपल लिया। गौरतलब है कि कस्बे में रहस्यमय फीवर से लोग दहशत में आ गए थे। कारण यह था कि बुखार आते ही प्लेटलेट्स कम हो जा रहा था । जिस से लोगों को चिंता की लकीरें बढ़ जा रही थी । चूंकि बुखार के ही चलते बारा खुर्द वार्ड निवासी 45 वर्ष मोहम्मद अरशद को 25 अक्टूबर को बुखार आने पर नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर वाराणसी के

निजी अस्पताल में शुक्रवार को उसने दम तोड़ दिया। परिजन प्लेटलेट्स कम होने से मौत की बात कह रहे थे। वही दूसरी तरफ चौहट्टा वार्ड निवासी 25 वर्षीय अबू मोहम्मद को एक हफ्ता पहले बुखार आया। निजी अस्पताल ले गए जहां पता चला कि फेफड़ों में पानी आ गया है 26 अक्टूबर को उपचार के दौरान मौत हो गई। करीब दो दर्जन मरीज अलग-अलग अस्पतालों में बुखार के चलते अपना उपचार करा रहे है । स्वाथ्य महकमा इसे वायरल बताकर पल्ला झाड़ ले रहा था । इस प्रकरण का मीडिया ने उठाया तो जिला प्रशासन की तंद्रा भंग हुई । स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भट्टीसराय 13 मरीजों का खून का नमूना लिया । टीम में पहुँचने वाले डॉक्टर जियाउलहक महामारी रोग विशेषज्ञ, प्रभारी चिकित्सकाधिकारी रमेश चन्द्रा, चिकित्साधिकारी डॉ मसूद अहमद, लैबटेक्नीशियन गुलाब यादव, राममिलन यादव, सुजीत मौर्य, राहुल आदि रहे ।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह'
द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं